राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण गुरुवार,12 जनवारी-2023 वर्ष-5,अंक-346 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मकानों में दरारें, दहशत और डर...ग्रामीणों के लिए आई राहत भरी खबर

जोशीमठ। जोशीमठ में ग्रामीणों के लिए राहत भरी खबर है। उत्तराखंड सरकार का कहना है कि हम पानी रिसाव की मात्रा को लगातार माप रहे हैं और ये रोज घट रहा है। मुख्यमंत्री के सचिव आरएम सुंदरम, जोशीमठ ने कहा कि रविवार को ये 570 रुरू था और कल ये घटकर 250 रुरूहो गया। 7 तारीख के बाद नई कोई दरारें विकसित नहीं हुई हैं। ये अच्छी बात है। जोशीमठ में एक दिन में मंगलवार को 44 नए मकानों में दरारें आ गईं। अब इनकी संख्या 723 तक पहुंच गई। इससे लोगों में डर का माहौल है। 50 और परिवारों को राहत कैंपों में शिफ्ट किया गया है। जोशीमठ में क्षतिग्रस्त भवनों की संख्या में इजाफा हो रहा है। आपदा प्रबंधन विभाग से जारी बुलेटिन के अनुसार, दरार वाले भवनों की संख्या 723 हो गई है। शासन स्तर पर संवेदनशील क्षेत्रों को पूरी तरह खाली कराने के निर्देश के बाद 50 और परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया। अपर सचिव-आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास के अनुसार, जिला प्रशासन को हर प्रभावित भवन चिह्नित करने के निर्देश दिए हैं। लोगों को उनकी जरूरत की खाद्य सामग्री मुहैया कराने और राहत कैंपों में सभी बुनियादी सुविधाएं दिलाने को भी कहा गया है। मालूम हो कि प्रशासन की टीम ने मंगलवार को दरारग्रस्त होटल को तोड़ने की कोशिश की थी, लेकिन लोगों के भारी विरोध के बीच धवस्तीकरण कार्य रोक दिया गया था। पीड़ितों का अरोप था कि नोटिस दिए बिना ही प्रशासन की टीम धवस्तीरण के लिए पहुंच गई है। लेकिन, सूत्रों की मानें तो आज बुधवार को प्रशासन द्वारा सख्ती की जा सकती है। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट ने बताया कि आपदा के मद्देनजर सेना के 11 दस्ते और आईटीबीपी की तीन कंपनियों को अलर्ट मोड पर रखा गया है। आर्मी कैंप में जिन क्षेत्रों के भवनों में दरारें आई थी, उन सभी परिवारों को शिफ्ट कर दिया है। जोशीमठ राहत-बचाव कार्यों को तेजी से अंजाम देने के लिए केंद्र सरकार ने सेना को जोशीमठ स्थित हेलीपैड की भूमि का उपयोग करने की अनुमति देने को कहा है। आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास सचिव डॉ.रंजीत कुमार सिन्हा ने कहा कि जोशीमठ के आपदा प्रभावित क्षेत्र के प्रत्येक चिह्नित परिवार का विस्थापन कर सुरक्षित स्थान पर बसाया जाएगा।

हरियाणा में फिर छोरियों पर संकट!

इन 5 जिलों में लिंगानुपात 900 से भी नीचे पहुंचा, होगी जांच

नई दिल्ली। अपनी छोरियों को छोरों से कम न आंकने वाले राज्य हरियाण में फिर एक बार लिंगानुपात के डराने वाले आंकड़े सामने आए हैं। लिंगानुपात के लिए कुख्याता राज्य हरिणाया की स्थिति में सुधार नहीं आ रहा है। साल 2022 के आंकड़ों पर गौर करेंगे तो स्थिति और भी खराब नजर आ रही है, जहां जन्म के समय प्रति 1000 पुरुषों की तुलना में महिलाओं की संख्या 900 से नीचे चली गई है। साल 2022 में हरियाणा के पांच जिलों में जन्म के समय लिंगानुपात छह साल में पहली बार प्रति 1000 पुरुषों की तुलना में 900 महिलाओं से भी नीचे गिर गया है। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने इस तरह के आंकड़े को लिंग जांच के रैकेट्स को जिम्मेदार ठहराया है। आंकड़ों पर गौर करें तो हिसार (904), करनाल (903), कुरुक्षेत्र (893), फरीदाबाद (892) और रेवाड़ी (883) के 2022 में जन्म के समय लिंगानुपात में गिरावट दर्ज की गई है। जाहिर है यह मनोहर लाल खट्टर की सरकार के लिए खतरे की घंटी है।

रिपोर्ट में बताए गए आधिकारिक डेटा के मुताबिक हिसार, करनाल, फरीदाबाद, झज्जर, कुरुक्षेत्र और रेवाड़ी का जन्म के समय लिंगानुपात 2016-17 में दर्ज किए आंकड़ों से भी नीचे चले गए हैं, जहां 2021 तक लगातार वृद्धि दर्ज की गई थी। मिसाल के तौर पर कुरुक्षेत्र में जन्म के समय लिंगानुपात 2017-18 में 924 था जिसमें लगातार सुधार होता रहा लेकिन यह पिछले साल अचानक यह घटकर 893 हो गया।

समाचार से बात करते हुए हरियाणा के स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने कहा, ÷हम पांच जिलों के जन्म के समय गिरते लिंगानुपात में आई गिरावट से चिंतित हैं। हमने उन लिंग जांच करने वाली रैकेट्स पर छापेमारी करने और अल्ट्रासाउंड मशीनों और अन्य उपकरणों की जांच के निर्देश दिए हैं। किसी तरह की ढिलाई को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

विज ने कहा कि उन्होंने जन्म के समय गिरने वाले लिंगानुपात से निपटने वाले फील्ड स्टाफ प्रभारी को सात दिन का समय दिया है और चेतावनी दी है कि किसी भी स्थिति में ढिलाई के लिए स्वास्थ्य विभाग के किसी भी अधिकारी को बख्शा नहीं जाएगा।

2022 में हरियाणा में लिंगानुपात प्रति 1,000 पुरुषों पर 917 महिलाएं दर्ज किया गया है। जन्म के समय लिंगानुपात के आंकड़ों का ठीक होना सेक्स रेशियो के बेहतर होने का संकेत होता। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (2019-21) के पांचवें दौर के आंकड़ों के मुताबिक, जन्म के समय का लिंगानुपात का राष्ट्रीय आंकड़ा प्रति 1000 पुरुषों पर 929 महिलाओं का है।

बता दें जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 22 जनवरी 2015 को पानीपत से बेटी बचाओ, बेटी पढाओ अभियान की शुरुआत की थी तब दिसंबर 2015 में हरियाणा का कुल जन्म के समय लिंगानुपात 876 था। 2014 नागरिक पंजीकरण प्रणाली के अनुसार 2019 में अब तक के उच्चतम 923 और दिसंबर 2020 में प्रति 1,000 पुरुषों पर 922 महिलाओं का आंकड़ा दर्ज किया गया था।

राज्य के स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने इस तरह के आंकड़े को लिंग जांच के रैकेट्स को जिम्मेदार ठहराया है। आंकड़ों पर गौर करें तो हिसार (904), करनाल (903), कुरुक्षेत्र (893), फरीदाबाद (892) और रेवाड़ी (883) के 2022 में जन्म के समय लिंगानुपात में गिरावट दर्ज की गई है। जाहिर है यह मनोहर लाल खट्टर की सरकार के लिए खतरे की घंटी है।

वहीं मुस्लिम बहुल जिला मेवात में आशा की किरण नजर आई है जहां 2012 से जन्म के समय लिंगानुपात 916, 917, 918, 913, 912, 908, 918, 921, 939, 926 और 936 रहा है।

माछिल सेक्टर में ऑपरेशनल टास्क के दौरान खाई में गिरे सेना के 3 जवान शहीद

जम्मू। कुपवाड़ा उत्तरी कश्मीर के माछिल सेक्टर में LOC के पास एक ऑपरेशनल टास्क के दौरान सेना के तीन जवान खाई में गिर गए। हादसे में तीनों जवान शहीद हो गए। तीनों जवानों के पार्थिव शरीर को खाई से निकाल लिया गया है।

> **सेना का अफसर**
> **2 जवान शहीद**
> ● बर्फ के कारण गाड़ी फिसलकर गहरी खाई में गिर गई।

जानकारी के मुताबिक, शहीद होने वाले तीनों जवानों में 01 जेसीओ (जूनियर कमीशंड ऑफिसर) और 02 ओआर (अन्य) शामिल हैं। बताया जा रहा है कि जिस इलाके में ये जवान खाई में गिरे, वो बर्फीला इलाका है। चिनार कॉर्प्स, भारतीय सेना ने बयान जारी कर कहा कि एक नियमित ऑप टास्क के दौरान 1 जेसीओ (जूनियर कमीशंड ऑफिसर) और 2 ओआर (अन्य रैंक) का एक दल ट्रैक पर बर्फ गिरने के बाद गहरी खाई में फिसल गया। तीनों जवानों के पार्थिव शरीर को निकाल लिया गया है। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

कॉलेजियम ने 9 न्यायाधीशों की नियुक्ति के प्रस्ताव को दी मंजूरी, दो वकील भी शामिल

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने 10 जनवरी 2023 को हुई अपनी बैठक में बॉम्बे हाई कोर्ट में न्यायाधीश के रूप में वकील नीला केदार गोखले की पदोन्नति के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने मंगलवार को विभिन्न उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों के रूप में नौ व्यक्तियों के नामों को मंजूरी दी है। जिनमें सात न्यायिक अधिकारियों और दो वकीलों की नियुक्ति के प्रस्तावों को मंजूरी दे दी है।

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने 9 नामों पर लगाई मुहर

एक बयान में सुप्रीम कोर्ट ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने 10 जनवरी, 2023 को आयोजित अपनी बैठक में कर्नाटक उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों के रूप में न्यायिक अधिकारियों की पदोन्नति के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इनमें रामचंद्र दत्तात्रेय हड्डर और वेंकटेश नाइक थावरयानाइक का नाम शामिल हैं।

न्यायाधीश के रूप में नीला की पदोन्नति के प्रस्ताव को मंजूरी दी-इसके अलावा कॉलेजियम ने कर्नाटक उच्च न्यायालय में न्यायाधीश के रूप में अधिवक्ता नागेंद्र रामचंद्र नाइक की पदोन्नति के लिए अपनी पहले की सिफारिश को दोहराने का भी संकल्प लिया। कॉलेजियम ने अधिवक्ता नीला केदार गोखले को बॉम्बे उच्च न्यायालय में न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी। वहीं, गुवाहाटी उच्च न्यायालय में न्यायाधीश के रूप में न्यायिक अधिकारी मृदुल कुमार कलिता की पदोन्नति के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी।

न्यायिक अधिकारियों को न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया-एक अन्य बयान में शीर्ष अदालत ने कहा सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने 10 जनवरी 2023 को आयोजित अपनी बैठक में आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों के रूप में न्यायिक अधिकारियों पी. वेंकट ज्योतिर्मय और वी गोपालकृष्ण राव की पदोन्नति के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। साथ ही मणिपुर उच्च न्यायालय में न्यायाधीश के रूप में कॉलेजियम द्वारा दो न्यायिक अधिकारियों, अरिबम गुनेश्वर शर्मा और गोलमेई गैफुलशिलु काबुई की भी सिफारिश की गई थी।

प्रशांत किशोर पार्टी बनाएंगे, चुनाव लड़ेंगे!

चुनाव रणनीतिकार रहे प्रशांत किशोर के बारे में कहा जा रहा था कि वे इस साल 26 जनवरी तक अपनी नई राजनीतिक पार्टी का ऐलान करेंगे।

नई दिल्ली। चुनाव रणनीतिकार रहे प्रशांत किशोर के बारे में कहा जा रहा था कि वे इस साल 26 जनवरी तक अपनी नई राजनीतिक पार्टी का ऐलान करेंगे। हालांकि बाद में उन्होंने यह आइडिया टाल दिया था और कहा था कि जन सुराज पदयात्रा में वे अपने समर्थकों और आम लोगों से राय लेकर इस बारे में फैसला करेंगे। अब उनके समर्थक और आम लोग उनको राय दे रहे हैं कि वे राजनीतिक पार्टी बनाएं और लोकसभा का चुनाव लड़ें। तभी यह सवाल उठ रहा है कि वे क्या अब राजनीतिक पार्टी का ऐलान करेंगे? बिहार विधानसभा चुनाव में तो अभी करीब तीन साल का समय है लेकिन लोकसभा चुनाव के लिए

ज्यादा समय नहीं बचा है। प्रशांत किशोर ने दो अक्टूबर 2022 को अपनी पदयात्रा शुरू की थी और तीन महीने में उन्होंने बिहार के दो जिलों पश्चिमी और पूर्वी चंपारण की यात्रा की है। वे एक दिन में तीन किलोमीटर के करीब चलते हैं और लोगों से बात करतें हैं, स्थानीय समस्याओं को समझते हैं। उन्होंने दोनों जिलों में सर्वेक्षण कराया। सबको पता है कि उनके पास सर्वेक्षण का एक बड़ा और अच्छा तंत्र है। पश्चिम चंपारण में सर्वे में शामिल उनके 97 फीसदी समर्थकों ने और पूर्वी चंपारण के 95 फीसदी समर्थकों ने कहा कि वे पार्टी बनाएं और अगले साल होने वाला लोकसभा चुनाव लड़ें। आगे भी उनकी यात्रा जहां जाएगी वहां वे सर्वेक्षण कराएंगे तो ऐसे ही नतीजे आएंगे। लेकिन वे और सर्वेक्षण का इंतजार नहीं कर सकते क्योंकि अगर उनको चुनाव लड़ना है तो जल्दी से जल्दी पार्टी बना कर उसकी तैयारी शुरू करनी होगी।

कोयला आयात के नियम फिर बदले, बिजली संयंत्रों को दिए गए ये खास निर्देश

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने एक बार फिर कोयला आयात से जुड़े नियमों को बदल दिया है। केंद्रीय बिजली मंत्रालय ने सभी बिजली संयंत्रों को कहा है कि सितंबर, 2023 की मांग को ध्यान में रखते हुए उनकी तरफ से कुल खपत का 6 फीसद तक कोयला बाहर से आयात करने की व्यवस्था होनी चाहिए। ऐसा देश में बिजली की खपत बढ़ने की संभावना को देखते हुए किया गया है।

> ● केंद्र सरकार ने कोयला आयात के नियम फिर बदले गए हैं। बिजली संयंत्रों को कुल मांग का छह फीसद कोयला ही आयात करने का निर्देश दिया गया है। यह पिछले एक वर्ष के भीतर तीसरा मौका है जब कोयला आयात के नियमों को बदला गया है।

कोयले में की जाएगी कटौती-बिजली मंत्रालय ने संयंत्रों को यह भी कहा है कि अगर उन्होंने पर्याप्त कोयला आपूर्ति सुनिश्चित नहीं की तो उनके घरेलू खदानों से दिए जाने वाले कोयले में कटौती की जाएगी। यह पिछले एक वर्ष के भीतर तीसरा मौका है, जब कोयला आयात के नियमों को बदला गया है।

आने वाले महीनों के लिए तैयार रहना चाहिए-बिजली मंत्रालय के अधिकारियों का कहना है कि घरेलू कोयला आपूर्ति बढ़ा कर और आपूर्ति व्यवस्था को स्मार्ट बना कर चालू वित्त वर्ष के दौरान देश में बिजली किल्लत को टाल दिया गया है, लेकिन जिस तरह से मांग बढ़ रही है, उसे देखते हुए आने वाले महीनों के लिए तैयार रहना चाहिए।

संयंत्रों के पास 3.4 करोड़ टन कोयला-अभी यह अनुमान है कि अप्रैल से सितंबर, 2023 में देश में कोयले की आपूर्ति मांग से 2.4 करोड़ टन कम रह सकती है। अभी देश के कोयला आधारित संयंत्रों के पास 3.4 करोड़ टन कोयला है, जो 11 दिनों की मांग के लिए पर्याप्त है।

अगस्त में बिजली किल्लत का करना पड़ा था सामना

सनद रहे कि देश की कुल ऊर्जा मांग का अभी 70 फीसद कोयला आधारित बिजली से पूरी होती है। वर्ष 2021-22 में कोयले की कमी होने से अगस्त से नवंबर, 2021 के दौरान देश के कई हिस्से में बिजली की काफी किल्लत हुई थी, लेकिन वर्ष 2022-23 में ऐसी स्थिति नहीं आई है। पिछले वर्ष बिजली मंत्रालय ने 10 फीसद कोयला आयात का नियम लागू किया गया था, जिसे बाद में वापस ले लिया गया था।

बक्सर में 'पुलिस टॉर्चर' के बाद किसानों में उबाल, पावर प्लांट में घुसकर तोड़फोड़ और आगजनी

बक्सर। बिहार के बक्सर जिले में पुलिस के अत्याचार के बाद किसानों का आक्रोश फूट पड़ा है। चौसा में निर्माणाधीन ताप विद्युत परियोजना में वाटर पाइप लाइन और रेलवे कॉरिडोर के लिए उचित मुआवजे की मांग करने वाले किसानों पर पुलिस ने मंगलवार रात जमकर जुल्म ढाया। बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों ने आंदोलन कर रहे किसानों के घरों में घुसकर जमकर पिटाई कर दी। यहां तक कि बच्चों और महिलाओं को भी नहीं बख्शा गया। पुलिसिया अत्याचार के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए। बुधवार सुबह आक्रोशित किसानों ने पावर प्लांट में बवाल काट दिया। बड़ी संख्या में किसान पावर प्लांट में घुस गए और जमकर तोड़फोड़ और आगजनी की। किसानों की उचित मुआवजे की मांग पूरी करने के लिए शांतिपूर्ण वार्ता के बजाय पुलिस-प्रशासन द्वारा किसानों पर दमनकारी नीति अपनाई जानी शुरू हो गई। मांगों को लेकर पिछले 17 अक्टूबर से स्थानीय किसान शांतिपूर्ण तरीके से धरना दे रहे हैं। मंगलवार को पावर प्लांट का मुख्य गेट बंद कर काम रोक दिए जाने से पुलिस और प्रशासन का पारा गरम हो गया।

मंगलवार को काफी संख्या में पुलिस बल रात 11 बजे के बाद बनारपुर गांव में पहुंच कर किसानों के घर में घुसकर जुल्म ढाना शुरू कर दिया। इस क्रम में पुलिस ने तीन लोगों को हिरासत में ले लिया है। लोगों का कहना है कि पुलिस ने घरों में घुसकर महिलाओं और बच्चों तक को नहीं छोड़ा और कई लोगों की पिटाई कर दी है। लोगों ने बताया कि पुलिस की इस कार्रवाई में महिला पुलिस साथ में नहीं थी।

बिना पैंट पहने ही ट्रेन में चढ़ गए लोग, जानिए लंदन में आखिर

क्यों हुआ ऐसा

इस दौरान ग्रामीणों की सजगता की वजह से पुलिस को बाद में गांव से जाना पड़ा। पुलिस का यह पूरा ड्रामा रात के तीन बजे तक चला। बनारपुर गांव में अचानक हुई पुलिसिया जुल्म से पूरे गांव के लोग आक्रोशित हैं। काफी संख्या में लोगों का हुजूम आर पार की लड़ाई के लिए पावर प्लांट की तरफ जुटने लगा है। बुधवार सुबह किसानों ने पावर प्लांट में तोड़फोड़ कर वाहनों में आग लगा दी। मौके पर हालात बेकाबू हो गए हैं।

संपादकीय

कुछ हद तक यह बात सही है लेकिन इसका मूल कारण यह सरकार उतना नहीं है जितना कि कुछ सिरफिरे 'हिंदुत्ववादी लोग' हैं जो कि नफरत फैलाते हैं और अपने व्यवहार से लोगों में डर पैदा करते हैं। भाजपा सरकार को इन उग्रवादी और तथाकथित 'हिंदुत्ववादियों' के खिलाफ सख्त कदम उठाने में कोताही क्यों करनी चाहिए? सच्चाई तो यह है कि वे हिंदुत्व की मूल भावना को समझते ही नहीं हैं। उनमें यूरोप और अरब देशों की मजहबी अतिवादिता दिखाई पड़ती है।

मुसलमानों पर मोहन भागवत

(लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागव ने 'पांचजन्य' साप्ताहिक को दी गई एक भेंट वार्ता में ऐसी कई बातें कही हैं जिन पर देश के लोगों और खास तौर से संघ के स्वयंसेवकों का विशेष ध्यान जाना चाहिए। उन्होंने पहली बात यह कही है कि भारत के मुसलमानों को किसी से डरने की जरुरत नहीं है। उन्हें वैसे ही निर्भय रहना चाहिए जैसे अन्य भारतीय रहते हैं। आजकल देश और विदेशों के कई बुद्धिजीवी यह महसूस करते हैं कि जब से मोदी सरकार कायम हुई है भारत के मुसलमान बहुत डर गए हैं। कुछ हद तक यह बात सही है लेकिन इसका मूल कारण यह सरकार उतना नहीं है जितना कि कुछ सिरफिरे 'हिंदुत्ववादी लोग' हैं जो कि नफरत फैलाते हैं और अपने व्यवहार से लोगों में डर पैदा करते हैं। भाजपा सरकार को इन उग्रवादी और तथाकथित 'हिंदुत्ववादियों' के खिलाफ सख्त कदम उठाने में कोताही क्यों करनी चाहिए? सच्चाई तो यह है कि वे हिंदुत्व की मूल भावना को समझते ही नहीं हैं। उनमें यूरोप और अरब देशों की मजहबी अतिवादिता दिखाई पड़ती है। मजहब के नाम पर उन मुल्कों में अब भी भयंकर अत्याचार जारी हैं। यह विदेशी मजहबी अंधापन आप भारत में भी देख सकते हैं। कोई यहोवा या अल्लाह को माने इसमें कोई बुराई नहीं है लेकिन इसके लिए अरबों और गोरों की नकल करना क्या जरुरी है? कोई व्यक्ति किसी धर्म या विचारधारा को माने लेकिन उसके पहले वह अपने आप को सच्चा और पक्का भारतीय बनाए क्या यह जरुरी नहीं है? अब आप देखें कि सउदी अरब के वर्तमान शासक शाहजादे सलमान ने तथाकथित अरबी और इस्लामी परंपराओं में कितने बड़े बदलाव कर दिए हैं। मोहन भागवत हमारे मुसलमानों से भी यह बराबर कहते रहे हैं कि उनका और हिंदुओं का डीएनए एक ही है। क्या किसी हिंदू या मुसलमान नेता ने आज तक ऐसी बात कही है? उनकी इस बात से कई पोंगापंथी मुसलमान और हिंदू चिढ़ भी सकते हैं लेकिन भारत ही नहीं संपूर्ण दक्षिण और मध्य एशिया के देशों को जोड़ने में यह कथन निर्णायक भूमिका निभाएगा। मोहन भागवत मस्जिदों में गए और इमामों से उन्होंने संवाद किया क्या यह कम बड़ी बात है? यह ठीक है कि भारत के मुसलमानों ने कई मजबूरियों में इस्लाम को कुबूल कर लिया लेकिन वे विदेशी आंक्रांताओं के वारिस नहीं हैं। उन आक्रांताओं की संतानें भी अब पूर्णरूपेण भारतीय हो गई हैं। यह ठीक है कि लगभग हजार साल तक विदेशी आक्रमणकारियों ने भारत को दबाने की कोशिश की है और उसके विरुद्ध भारतीय लोग लगातार लड़ते रहे हैं लेकिन वह वैमनस्य और वह अहंकार किसी भी रूप जिंदा नहीं रहना चाहिए। मोहनजी ने इस बात पर भी जोर दिया है कि भारतीयों पर इस समय कोई विदेशी आक्रमण तो नहीं हो रहा है लेकिन भारत विदेशियों का नकलची बन रहा है। वह उनकी भोगवादी प्रवृत्तियों को अपना रहा है। मोहन भागवत के इस कथन पर हमारे देश के तथाकथित नेता गण खासकर भाजपा के लोग ध्यान दें यह जरुरी है। सच्ची भारतीयता तो 'त्येन त्यक्तेन भुंजीथा' याने त्याग के साथ उपभोग में ही निवास करती है।

सूक्ति

अपनी भूल अपने ही हाथों से सुधर जाए तो यह उससे कहीं अच्छा है कि कोई दूसरा उसे सुधारे।
- प्रेमचंद

जो वर्तमान में कमाया हुआ धन जोड़ता नहीं उसे भविष्य में पछताना पड़ता है।
- चाणक्य

लॉफिंग ज़ोन

गांव का एक आदमी बेटे के साथ शहर के मॉल में पहली बार घूमने गया।

वहां उन्हें लिफ्ट दिखाई दी। दोनों ने लिफ्ट पहली बार देखी थी।

तभी वहां एक बुढ़िया आई। उसने बटन दबाया और दरवाजे के खुलते ही वह अंदर चली गई।

दोनों बाप-बेटे इस नजारे को आंख फाड़-फाड़कर देख रहे थे।

कुछ देर बाद लिफ्ट नीचे आई और उसके अंदर से एक लड़की निकली।

यह देखकर आदमी चिल्लाया: बेटा जल्दी घर जा और अपनी मां को लेकर आ।

☺ ☺ ☺

संता पहली बार किसी बड़े शहर में आया था। वह एक होटल में घुसा। होटल का कर्मचारी उसका सामान उठाकर चल पड़ा। संता भी उसके पीछे-पीछे चलने लगा। जैसे ही दरवाजा बंद हुआ, संता ने चारों तरफ देखा।

उसने उस कर्मचारी पर गुस्सा होते हुए कहा, मैं देहात से आया हूं तो इसका मतलब यह नहीं कि मैं शहर के बारे में नहीं जानता। मुझे पता है तुम मुझे मूर्ख बना रहे हो। मैंने कमरे के लिए बहुत रुपए दिए हैं। यह कमरा बिल्कुल नहीं चलेगा। न रोशनी न हवा के आने-जाने का कोई रास्ता है। यह तो इतना छोटा है कि इसमें चारपाई भी नहीं लगाई जा सकती है।

कर्मचारी ने कहा- सर, यह आपका कमरा नहीं है, यह तो लिफ्ट है।

खेतड़ी में मिली विवेकानन्द जी को वैश्विक पहचान

(लेखक-रमेश सर्राफ धमोरा/12 जनवरी युवा दिवस पर विशेष)

राजस्थान के झुंझुनू जिले के खेतड़ी नरेश राजा अजीतसिंह एक धार्मिक व आध्यात्मिक प्रवृत्ति वाले शासक थे। गर्मी में राजा अजीतसिंह माऊन्ट आबू स्थित अपने खेतड़ी महल में ठहरे हुये थे। उसी दौरान 4 जून 1891 को युवा सन्यासी विवेकानन्द से उनकी पहली बार मुलाकात हुई। इस मुलाकात से अजीतसिंह उस युवा सन्यासी से इतने प्रभावित हुए कि उन्होने उस युवा सन्यासी को अपना गुरू बना लिया। तथा अपने साथ खेतड़ी चलने का आग्रह किया जिसे स्वामीजी ठुकरा नहीं सके। इस प्रकार स्वामी विवेकानन्द 7 अगस्त 1891 को पहली बार खेतड़ी आये। खेतड़ी में विवेकानन्द जी 27 अक्टूबर 1891 तक रहे। खेतड़ी प्रवास के दौरान स्वामीजी प्रतिदिन राजा अजीतसिंह से आध्यात्मिकता पर चर्चा करते थे। स्वामीजी ने राजा अजीतसिंह को आधुनिक विज्ञान के महत्व को समझाया। खेतड़ी में ही स्वामी विवेकानन्द ने राजपण्डित नारायणदास शास्त्री के सहयोग से पाणिनी का 'अष्टाध्यायी' व पातंजलि का 'महाभाष्याधायी' का अध्ययन किया। स्वामीजी ने व्याकरणाचार्य और पाण्डित्य के लिए विख्यात नारायणदास शास्त्री को लिखे पत्रों में उन्हे मेरे गुरु कहकर सम्बोधित किया था। अमेरिका जाने से पूर्व 21 अप्रेल 1893 को स्वामीजी दूसरी बार खेतड़ी पहुंचे। स्वामी जी इस दौरान 10 मई 1893 तक खेतड़ी में ठहरे। यह स्वामी जी की दूसरी खेतड़ी यात्रा थी। इसी दौरान एक दिन राजा अजीत सिंह व स्वामीजी फतेहविलास महल में बैठे शास्त्र चर्चा कर रहे थे। तभी राज्य की नर्तकियों ने वहां आकर गायन वादन का अनुरोध किया। इस पर सन्यासी होने के नाते स्वामीजी उठकर जाने लगे तो नर्तकियों की दल नायिका मैनाबाई ने स्वामी जी से आग्रह किया कि स्वामीजी आप भी विराजें मैं यहां भजन सुनाउंगी। इस पर स्वामीजी बैठ गये। नर्तकी मैनाबाई ने महाकवि सूरदास रचित प्रसिद्ध भजन ''प्रभू मोरे अवगुण चित न धरो समदरसी है नाम तिहारो चाहे तो पार करो' सुनाया तो स्वामीजी की आंखों में आंसुओं की धारा बह निकली। उन्होंने उस पतिता नारी को ' ज्ञानदायिनी मां ' कहकर सम्बोधित किया तथा कहा कि आपने आज मेरी आंखें खोल दी हैं। इस भजन को सुनकर ही स्वामीजी सन्यासोन्मुखी हुए। 10 मई 1893 को स्वामजी मात्र 28 वर्ष की अल्पायु में खेतड़ी से अमेरिका जाने को प्रस्थान किया। महाराजा अजीतसिंह के आर्थिक सहयोग से ही स्वामी विवेकानन्द अमेरिका के शिकागो शहर में आयोजित विश्वधर्म सम्मेलन में शामिल हो वेदान्त की पताका फहराकर भारत को विश्व धर्मगुरु का सम्मान दिलाया। अमेरिका जाते वक्त खेतड़ी नरेश राजा अजीत सिंह ने अपने मुंशी जगमोहन लाल व अन्य कर्मचारियों को बम्बई तक स्वामी जी की यात्रा की तैयारियों व व्यवस्था करने के लिये स्वामी जी के साथ भेजा था। इस बात की बहुत कम लोगों को जानकारी है कि स्वामीजी का ''स्वामी विवेकानन्द'' नाम भी राजा अजीतसिंह ने रखा था। इससे पूर्व स्वामीजी का अपना नाम विविदिषानन्द था। शिकागो जाने से पूर्व राजा अजीतसिंह ने स्वामीजी से कहा आपका नाम बड़ा कठिन है। उसका अर्थ नहीं समझा जा सकता है। उसी दिन राजा अजीतसिंह ने उनके सिर पर भगवा साफा बांधा व भगवा चोगा पहना कर नया वेश व नया नाम स्वामी विवेकानन्द प्रदान किया। जिसे स्वामीजी ने जीवन पर्यन्त धारण किया। आज सभी उन्हें राजा अजीतसिंह द्वारा प्रदत्त स्वामी विवेकानन्द नाम से ही जानते हैं। शिकागो में हिन्दू धर्म की पताका फहराकर स्वामीजी विश्व भ्रमण करते हुए 1897 में जब भारत लौटे तो 17 दिसम्बर 1897 को खेतड़ी नरेश ने स्वामीजी के सम्मान में 12 मील दूर जाकर उनका स्वागत किया व भव्य गाजे-बाजे के साथ खेतड़ी लेकर आये। उस वक्त स्वामी जी को सम्मान स्वरूप खेतड़ी दरबार के सभी ओहदेदारों ने दो-दो सिक्के भेंट किये व खेतड़ी नरेश ने तीन हजार सिक्के भेंट कर दरबार हाल में स्वामी जी का स्वागत किया। उनके स्वागत में पूरे खेतड़ी में चालीस मण (सोलह सौ किलो) देशी घी के दीपक जलवाए थे। इससे भोपालगढ़ फतेहसिंह महल जयनिवास महल के साथ पूरा शहर खेतड़ी जगमगा उठा था। 20 दिसम्बर 1897 को खेतड़ी के पन्नालाल शाह तालाब पर प्रीतिभोज देकर स्वामी जी का भव्य स्वागत किया गया था। शाही भोज में उस वक्त खेतड़ी ठिकाना के पांच हजार लोगों ने भाग लिया था। उसी समारोह में स्वामी विवेकानन्द जी ने खेतड़ी में सावजनिक रूप से भाषण दिया। जिसे सुनने हजारों की संख्या में लोग उमड़ पड़े थे। उस भाषण को सुनने वालों में खेतड़ी नरेश अजीत सिंह के साथ काफी संख्या में विदेशी राजनयिक भी शामिल हुये थे। 21 दिसम्बर 1897 को स्वामीजी खेतड़ी से प्रस्थान कर गये। यह स्वामीजी का अन्तिम खेतड़ी यात्रा थी। स्वामी विवेकानन्द जी ने एक स्थान पर स्वंय स्वीकार किया था कि यदि खेतड़ी के राजा अजीत सिंह जी से उनकी भेंट नही हुयी होती तो भारत की उन्नति के लिये उनके द्वारा जो थोड़ा बहुत प्रयास किया गया उसे वे कभी नहीं कर पाते। स्वामी जी राजा अजीत सिंह को समय-समय पर पत्र लिखकर जनहित कार्य जारी रखने की प्रेरण देते रहते थे। स्वामी विवेकानन्द जी ने जहां राजा अजीत सिंह को खगोल विज्ञान की शिक्षा दी थी। वहीं उन्होने खेतड़ी के संस्कृत विद्यालय में अष्टाध्यायी ग्रंथो का अध्ययन भी किया था। स्वामी विवेकानन्द जी के कहने पर ही राजा अजीत सिंह ने खेतड़ी में शिक्षा के प्रसार के लिये जयसिंह स्कूल की स्थापना की थी। राजा अजीतसिंह और स्वामी विवेकानन्द के अटूट सम्बन्धों की अनेक कथाएं आज भी खेतड़ी के लोगों की जुबान पर सहज ही सुनने को मिल जाती है। स्वामीजी का मानना था कि यदि राजा अजीतसिंह नहीं मिलते तो उनका शिकागो जाना संभव नहीं होता। स्वामी जी ने माना था कि राजा अजीत सिंह ही उनके जीवन में एकमात्र मित्र थे। स्वामी जी का जन्म 12 जनवरी 1863 में व मृत्यु 4 जुलाई 1902 को हुयी थी। इसी तरह राजा अजीतसिंह जी का जन्म 10 अक्टूबर 1861 में व मृत्यु 18 जनवरी 1901 को हुयी थी। दोनो का निधन 39 वर्ष की उम्र में हो गया था व दोनो के जन्म व मृत्यु का समय में भी ज्यादा अन्तर नहीं था। इसे महज संयोग नहीं कहा जा सकता है।

स्वामी विवेकानंद जी के जन्मदिन 12 जनवरी को ही राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है। उनका जन्मदिन राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाए जाने का प्रमुख कारण उनका दर्शन सिद्धांत आध्यात्मिक विचार और उनके आदर्श हैं। जिनका उन्होंने स्वयं पालन किया और भारत के साथ-साथ अन्य देशों में भी उन्हें स्थापित किया। उनके ये विचार और आदर्श युवाओं में नई शक्ति और ऊर्जा का संचार कर सकते हैं उनके लिए प्रेरणा का एक श्रेष्ठ स्रोत साबित हो सकते हैं। स्वामी विवेकानन्द ने रामकृष्ण मिशन नामक सेवा भावी संगठन की स्थापना की थी। जिसकी राजस्थान में पहली शाखा खेतड़ी में 1958 को राजा अजीतसिंह के पौत्र बहादुर सरदार सिंह द्वारा स्वामी जी के ठहरने के स्थान स्वामी विवेकानन्द स्मृति भवन में प्रारम्भ करवायी गयी थी। मिशन द्वारा खेतड़ी में गरीब तथा पिछड़े बालक-बालिकाओं के लिए श्री शारदा शिशु विहार नाम से एक बालवाड़ी सार्वजनिक पुस्तकालय वाचनालय एवं एक मातृ सदन तथा शिशु कल्याण केन्द्र भी चलाया जा रहा है। खेतड़ी में रामकृष्ण मिशन द्वारा करोड़ो रुपयों की लागत से स्वामी विवेकानन्द राष्ट्रीय संग्रहालय बनवाया गया है। जो देश का पांचवा व राजस्थान का पहला संग्रहालय है।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार है। इनके लेख देश के कई समाचार पत्रों में प्रकाशित होते रहते हैं।)

जासूसी का जाल

(विचार-मंथन/ लेखक-सनत जैन)

भारत के सैन्य और रक्षा प्रतिष्ठानों में पाकिस्तान के जासूसों का फैलता जाल गंभीर चिंता का विषय है। इससे देश की सुरक्षा संबंधी संवेदनशील जानकारियां बाहर जा रही हैं। हाल ही में सेना का एक जवान आर्मी की खुफिया जानकारी पाकिस्तानी महिला एजेंट को देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। महिला एजेंट ने उसे हनीट्रैप किया था। वह उससे वीडियो कॉल पर न्यूड होकर अश्लील बातें करती थी। छुट्टियों पर गांव आए जवान ने जब पाकिस्तानी एजेंट्स से बात की तो वह इंटेलिजेंस की रडार पर आ गया। उस पर नजर रखी जाने लगी। आखिरकार इंटेलिजेंस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। जवान का यह काम काफी समय से चल रहा था लेकिन किसी को इसकी भनक तक नहीं लग पाई। न जाने कितनी खुफिया जानकारियां और अहम सूचनाएं दुश्मन के हाथ लगी होंगी! हनी ट्रैप यानी महिलाओं के जाल में फंस कर जासूसी के मामले सोशल मीडिया के आने के बाद ज्यादा बढ़े हैं। सोशल मीडिया के इस दुरुपयोग ने जासूसों का काम आसान कर दिया है। जासूसी करने वाले फेसबुक और वाट्सएप का इस्तेमाल करते हैं। अब तक ऐसे जितने भी मामले सामने आए हैं उनमें ज्यादातर हनी ट्रैप से जुड़े हैं। रक्षा और सैन्य प्रतिष्ठानों सैन्य अड्डों कारखानों योजनाओं आदि की जासूसी करने वालों का नेटवर्क हमारे अपने तंत्र के भीतर ही सक्रिय है। इसलिए यह खुफिया और सुरक्षा एजेंसियों के लिए गंभीर चुनौती बना हुआ है। पिछले साल फरवरी में वायुसेना के एक ग्रुप कैप्टन को सेना से संबंधित बेहद संवेदनशील जानकारियां आईएसआई तक पहुंचाने के मामले में गिरफ्तार किया गया था। यह अधिकारी फेसबुक और वाट्सएप के जरिए आईएसआई से जुड़ी कुछ महिलाओं के संपर्क में था और उन्हें जानकारियां देता था जिसे वे आगे पहुंचाती थीं। कुछ साल पहले मेरठ में आईएसआई का एक एजेंट पकड़ा गया था जो लंबे समय से भारत के सैनिकों का ब्योरा और संवेदनशील ठिकानों के नक्शे दुश्मन देश को मुहैया करा रहा था। पंजाब में सेना का एक नायब सूबेदार पाकिस्तान की एक महिला जासूस के जाल में फंस गया और सैन्य ठिकानों से जुड़े अहम राज देता रहा। इसके एवज में महिला उसे पैसे और अश्लील तस्वीरें और वीडियो भेजती थी और उसे यूरोप की सैर कराने का भी लालच दिया था।

नौसेना हो या सेना के अन्य अंग वायुसेना अथवा थलसेना भारतीय सेना में हनीट्रैप के ऐसे मामले पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई की साजिशों के चलते पिछले कुछ वर्षों से अब लगातार सामने आ रहे हैं। आईएसआई भारतीय सेना में अपने जासूसों को घुसाने के लिए जिस प्रकार के तौर तरीकों का इस्तेमाल कर रही है वह बेहद चिंतनीय है। खुफिया एजेंसियों की जांच में कई बार यह खुलासा हो चुका है कि आईएसआई खूबसूरत लड़कियों की फर्जी फेसबुक आईडी बनाकर सुरक्षा बलों के लोगों को मोहब्बत के जाल में फंसाकर जासूसी करा रही है। अभी तक कई ऐसे मामले सामने आ चुके हैं जब सेना के कुछ वरिष्ठ अधिकारी और सैन्यकर्मी आईएसआई की ऐसी महिला जासूसों के मनमोहक जाल में फंस कर सेना की गोपनीय सूचनाएं लीक करते पकड़े गए हैं। ज्यादा समय नहीं हुआ जब वायुयेना के वरिष्ठ अधिकारी अरूण मारवाह और थलसेना के एक अधिकारी को सेना में जासूसी के आरोप में दबोचा गया था और ये मामले उस समय देशभर में सुर्खियां बने थे। तब यह भी उजागर हुआ था कि आईएसआई कैसे सोशल मीडिया के जरिये युवाओं सैन्यकर्मियों व सेना अधिकारियों को महिला एजेंटों के जरिये अपने जाल में फंसाने में सफल हो रही है। दरअसल आईएसआई का लक्ष्य सेना में अपने एजेंट घुसाकर सेना की आंतरिक जानकारियां हासिल करना रहा है और इसीलिए वह सेना से जुड़े लोगों को 'हनी ट्रैप' में फंसाने की साजिशें रचती रही है।

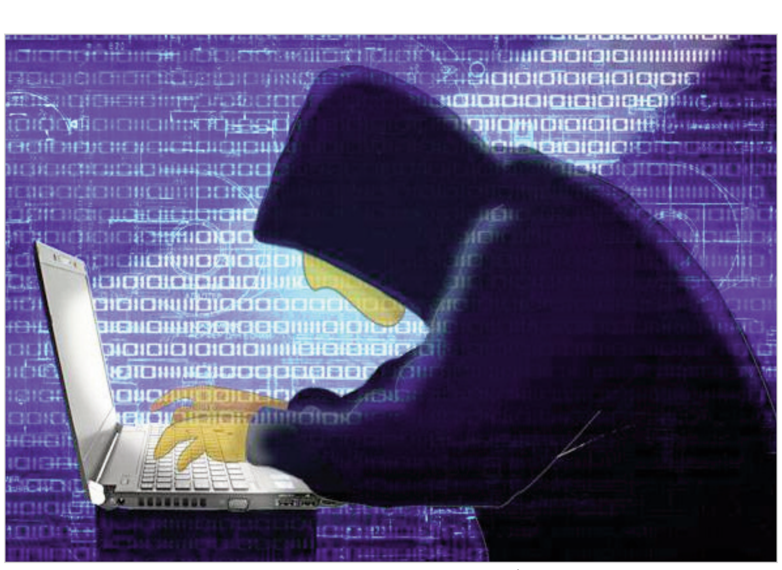

चिंता का विषय यह है कि सेना के जवान ही नहीं अधिकारी और इंजीनियर तक हनी ट्रैप में फंस कर देश के साथ गद्दारी कर रहे हैं। यह देशद्रोह से कम नहीं है। गोपनीय सूचनाओं का इस्तेमाल कर दुश्मन देश की खुफिया एजेंसियां और सेना देश के संवेदनशील ठिकानों को निशाना बनाती हैं। जाहिर है अपने देश के बारे में सूचनाएं हमारे अपने बीच के ही लोग पहुंचाते हैं। महाराष्ट्र एटीएस ने डीआरडीओ के जिस इंजीनियर को जासूसी के मामले में पकड़ा है उसे ब्रह्मोस मिसाइल यूनिट में तैनात किया गया था। लेकिन इस इंजीनियर की करतूत का पर्दाफाश होने में दो साल लग गए।

कहीं न कहीं यह हमारे तंत्र की कमजोरी और विफलता को भी उजागर करता है। सोशल मीडिया के दौर में हरेक पर निगरानी रख पाना बड़ी चुनौती है।

ऐसे में रास्ता यही है कि हमारी खुफिया एजंसियां अपने नेटवर्क को ज्यादा ताकतवर बनाएं।

चिंतन-मनन

सिद्धांत गौण है सत्ता प्रमुख

पिछले दिनों में राष्ट्रीय रंगमंच पर जिस प्रकार का राजनीतिक चरित्र उभरकर आ रहा है वह एक गंभीर चिंता का विषय है। ऐसा लगता है राजनीति का अर्थ देश में सुव्यवस्था बनाए रखना नहीं अपनी सत्ता और कुर्सी बनाए रखना है। राजनीतिज्ञ का अर्थ उस नीति-निपुण व्यक्तित्व से नहीं है जो हर कीमत पर राष्ट्र की प्रगति विकास-विस्तार और समृद्धि को सर्वोपरी महत्व दे; किंतु उस विदूषक-विशारद व्यक्तित्व से है जो राष्ट्र के विकास और समृद्धि को अवनति के गर्त में फेंककर भी अपनी कुर्सी को सर्वोपरि महत्व देता हो। राजनेता का अर्थ राष्ट्र को गति की दिशा में अग्रसर करने वाला नहीं अपने दल को सत्ता की ओर अग्रसर करने वाला रह गया है। यही कारण है कि आज राष्ट्र गौण है दल प्रमुख है। सिद्धांत गौण है सत्ता प्रमुख है। चरित्र गौण है कुर्सी प्रमुख है। एक राजनेता में राष्ट्रीय चरित्र न्याय-सिद्धांत और नेतृत्व क्षमता के गुणों की आवश्यकता नहीं किंतु आज कुशल राजनेता वही है जो अपने दल के लिए राष्ट्र के साथ भी विश्वासघात कर सकता हो अपनी कुर्सी के लिए अपने दल के साथ भी विश्वासघात करने का जिसमें साहस या दुस्साहस हो। बहुत बार मन में प्रश्न उभरता है क्या राजनीति का अपना कोई चरित्र नहीं होता अथवा सत्ता प्राप्ति के लिए राष्ट्र समाज दल और व्यक्ति की विश्वासपूर्ण भावनाओं के साथ खिलवाड़ करना ही राजनीति का चरित्र होता है? जनता की कोमल भावनाओं का शोषण करके सत्तासीन होने के बाद क्या राजनेता का व्यक्तित्व जनता और राष्ट्र से भी बड़ा हो जाता है? यदि ऐसा नहीं है तो आज की राजनीति क्यों अपने प्रिय पुत्रों संबंधियों और चमचों-चाटुकारों के चप्रव्यूह में फंसकर रह गई है? राष्ट्र को स्थिर नेतृत्व प्रदान करने के नाम पर क्यों सिद्धांतहीन समझौते और स्तरहीन कलाबाजियां दिखाई जा रही हैं? संप्रदायवाद जातिवाद भाषावाद और प्रांतवाद को भड़का करके क्यों सत्ता की गोटियां बिठाई जा रही हैं? आज की राजनीति को देखकर मन ग्लानि और वितृष्णा से भर जाता है। आखिर यह सबकुछ कब तक चलता रहेगा?

रुपया तेजी के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया बढ़त के साथ बंद हुआ। रुपये में ये बढ़त डॉलर के कमजोर होने के साथ ही कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से आई है। रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 18 पैसे की तेजी के साथ 81.56 (अस्थायी) के स्तर पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजारों में आई गिरावट से रुपये की तेजी पर अंकुश लगा रहा। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 81.73 पर खुला और दिन के कारोबार में 81.52 के ऊपरी स्तर और 81.82 के निचले स्तर पर पहुंचा। रुपया अंत में अपने पिछले बंद भाव से 18 पैसे की बढ़त दर्ज करते हुए 81.56 पर बंद हुआ। गत दिवस यह अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 81.74 पर बंद हुआ था।इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.06 फीसदी बढ़कर 103.30 पर पहुंच गया।

दिवालिया होने के निकट पहुंचा पाक एक माह के लिए ही बची विदेशी मुद्रा

इस्लामाबाद । क्या पाकिस्तान दिवालिया होने के कगार पर जा पहुंचा है। पाकिस्तान का विदेशी मुद्रा भंडार 8 साल के निचले स्तर पर है और महज 5.6 बिलियन डॉलर ही बाकी रह गया है। यह रकम उसके कुल एक महीने के आयात के पेमेंट भर के लिए ही है। इसके अलावा सऊदी अरब से लेकर चीन तक से उसने बड़े पैमाने पर लोन ले रखे हैं जिनकी अदायगी संकट बन गई है। पाकिस्तान को अपने चालू खाता घाटे से निपटने और विदेशी कर्ज को निपटाने के लिए 26 अरब डॉलर की जरूरत है। पाकिस्तान के पास जो कुल विदेशी कर्ज है उसमें 30 फीसदी अकेले चीन का ही है। पाकिस्तान को अगले तीन महीने में विदेशी कर्ज की 8.3 अरब डॉलर की किस्तें चुकानी हैं। इसके अलावा आयात की पेमेंट्स भी करने की जरूरत है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की ओर से बीते साल नवंबर में ही पाकिस्तान को 1.1 अरब डॉलर की रकम कर्ज के तौर पर ट्रांसफर की जानी थी। लेकिन अब तक इसे मंजूरी नहीं मिल सकी है। इसके चलते पाकिस्तान का संकट और गहरा हो गया है।

मेरी कंपनी में पांच साल काम करो इनाम के तौर पर कर्मचारी को मर्सिडीज गाड़ी दूंगा: अशनीर ग्रोवर

मुंबई । भारत में किसी कंपनी में पांच साल काम करने के बाद कर्मचारी ग्रेच्युटी का हकदार होता है। लेकिन भारतपे के को-फाउंडर और शार्क टैंक इंडिया के पहले सीजन में जज रहे अशनीर ग्रोवर ने अपनी नई कंपनी थर्ड यूनिकॉर्न में लगातार 5 साल काम करने वाले कर्मचारी को मर्सिडीज गाड़ी देने की घोषणा की है। अशनीर का कहना है कि ग्रेच्युटी के रूप में मिलने वाली राशि बहुत कम होती है। यह कर्मचारी की बेइज्जती ही है। ग्रोवर ने अपने नए स्टार्टअप के लिए हायरिंग भी 10 जनवरी से शुरू कर दी है। अपनी एक पोस्ट में ग्रोवर ने स्टार्टअप में पैसा लगाने के लिए निवेशकों को भी आमंत्रित किया है। ग्रोवर ने लिखा है कि जो कर्मचारी उनके स्टार्टअप में 5 साल तक टिका रहेगा उन्हें कंपनी की ओर से मर्सिडीज कार दी जाएगी। ग्रोवर ने भारतपे छोड़ने के बाद साल 2022 में थर्ड यूनिकॉर्न की स्थापना की थी। ग्रोवर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा आओ 2023 में कुछ काम-धाम करते हैं। हम थर्ड यूनिकॉर्न में शांति से मार्केट में भूचाल लाने वाला कारोबार खड़ा कर रहे हैं। अभी तक इसमें किसी बाहरी निवेशक का पैसा नहीं लगा है और यह सुर्खियों से दूर है। इस बार हम कुछ हटकर रहे हैं काफी हटकर। ग्रोवर ने अपनी पोस्ट के साथ एक स्लाइड-शो भी अटैच किया है। इसमें उन्होंने थर्ड यूनिकॉर्न की एक झलक दिखाई है। ग्रोवर ने लिखा अगर आप किसी तोड़ू-फोड़ू चीज का अंग बनना चाहते हैं तब यहां आप एक झलक देख सकते हैं कि हम कैसे कंपनी को खड़ा कर रहे हैं। हम क्या बना रहे हैं यह अभी भी लाखों डॉलर का सवाल बना हुआ है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई , (एजेंसी)।

मुम्बई शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। आज सुबह बाजार की शुरुआत अच्छी रही पर कुछ देर बाद ही मुनाफावसूली शुरु होने के कारण बाजार गिरने लगा। इसके बाद यह सिलसिला दिन भर जारी रहा। विदेशी निवेशकों की निकासी से भी बाजार में ये गिरावट आई। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 9.98 अंक करीब 0.02 फीसदी नीचे आकर 60105.50 पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 18.45 अंक 0.10 फीसदी गिरावट के साथ ही 17895.70 पर पहुंच गया। आज सुबह सेंसेक्स की शुरुआत बढ़त के साथ हुई पर इसके बाद इसमें गिरावट आने लगी। कारोबार के दौरान सेंसेक्स अधिकतम 60364 जबकि निफ्टी 17976 तक पहुंचा। आज कारोबार के दौरान निफ्टी पर उपभोक्ता क्षेत्र (एफएमसीजी) के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गयी। एफएमसीजी के शेयर 1.13 फीसदी गिरावट पर बंद हुए। इसके अलावा निफ्टी हेल्थ केयर फार्मा व वाहन शेयरों में आधे फीसदी से ज्यादा की गिरावट रही। ऑयल एंड गैस और कंज्यूमर ड्यूरेबल भी गिरावट पर बंद हुए। निफ्टी मेटल बैंक वित्तीय सेवाओं के शेयरों में 0.50 फीसदी से ज्यादा की बढ़त आई। इसके अलावा आईटी और मीडिया इंडेक्स भी बढ़त पर बंद हुए। आज निफ्टी पर हिंडाल्को के शेयर सबसे ज्यादा फायदेमंद रहे। इसके अलावा बीपीसीएल सन फार्मा अल्ट्राटेक और एचडीएफसी बैंक के शेयरों में भी एक फीसदी से अधिक की बढ़त रही जबकि

टाटा मोटर्स के शेयर आज लगातार तीसरे दिन लाभ में रहे। वहीं दूसरी ओर भारती एयरटेल 3.46 फीसदी की गिरावट के साथ सबसे नीचे आया। इसके अलावा सिप्ला डीवी लैब और अपोलो हॉस्पिटल के शेयरों में 2 फीसदी से अधिक की गिरावट दर्ज की गयी। इसके अलावा हिन्दुस्तान यूनिलीवर के शेयरों में 1.95 फीसदी की गिरावट रही।

सोने चांदी की कीमतों में तेजी

नई दिल्ली। घरेलू बाजार में बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में उछाल आया है। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में बुधवार को सोना 89 रुपये की बढ़त के साथ 56126 रुपये प्रति 10 ग्राम पहुंच गया। वहीं गत कारोबारी सत्र में सोना 56037 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। दूसरी ओर चांदी भी 677 रुपये बढ़कर 69218 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर जा पहुंची। बाजार जानकारों के अनुसार हाजिर सोने में 56126 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर कारोबार हुआ। घरेलू बाजार में सोने की तेजी पर हालांकि रुपये की मजबूती से रोक लगी रही। वहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोना बढ़त के साथ ही 1882.2 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था जबकि चांदी 23.88 डॉलर प्रति औंस पर थी। डॉलर का कमजोर होने ओर फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पावेल द्वारा स्वीडन में हुए केन्द्रीय बैंक के सम्मेलन में ब्याज दरों के बारे में चीजें अधिक साफ नहीं करने के कारण कॉमेक्स में सोने की कीमतों में तेजी रही।

15 ग्रीनफील्ड परियोजनाएं शुरू करने में किया जाएगा 20 हजार करोड़ का निवेश

नई दिल्ली । खुली वैश्विक निविदा के माध्यम से जाने-माने खनन डेवलपर्स ऑपरेटरों को नियुक्त करने का प्रयास किया जा रहा है। कोयला मंत्रालय का कहना है कि वह घरेलू कोयले के उत्पादन को बढ़ाना तथा आयात पर निर्भरता को कम करना चाहता है। इसलिए विशेषज्ञों को इस नियुक्त करने का प्रयास है। सार्वजनिक स्वामित्व की कोयला खनन कंपनी एमडीओ के माध्यम से कार्यान्वयन के लिए कुल 15 ग्रीनफील्ड परियोजनाओं पर नजर रख रही है। इसमें लगभग 20600 करोड़ रुपये का निवेश होगा जो मुख्य रूप से भूमि अधिग्रहण पुनर्वास और पुर्नस्थापन से जुड़ा है और कुछ मामलों में रेलवे साइडिंग पर है। मंत्रालय का कहना है कि संविदा नियुक्ति की अवधि 25 वर्ष या खदान का जीवन जो भी कम हो के लिए है। मंत्रालय के मुताबिक 169 मिलियन टन (एमटी) की कुल रेटेड क्षमता वाली ग्यारह ओपनकास्ट और चार भूमिगत खदानें हैं। ओपनकास्ट परियोजनाओं की क्षमता 165 मीट्रिक टन है भूमिगत परियोजनाएं शेष को जोड़ती हैं। एमडीओ स्वीकृत खनन योजना के अनुसार कोयला कंपनियों को कोयले की खुदाई और वितरण करेंगे। एमडीओ पारस्परिक रूप से लाभकारी प्रौद्योगिकी निवेश आर्थिक रूप से व्यावहारिक संचालन और उत्पादन में वृद्धि को एक साथ लाएंगे। उन्हें दिए गए अनुबंध दीर्घकालिक आधार पर हैं इसलिए खदान परियोजनाओं में संबंधित बुनियादी ढांचे को भी निजी कंपनियों द्वारा विकसित किया जाएगा। वे अनुसंधान और विकास भूमि अधिग्रहण हरित मंजूरी तथा राज्य और केंद्रीय प्रदूषण बोडरें के साथ समन्वय की सुविधा देंगे। कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने खदान डेवलपर्स कम ऑपरेटर मोड के माध्यम से नौ कोयला परियोजनाओं के लिए स्वीकृति पत्र जारी किए हैं। संचयी रूप से इन परियोजनाओं की उत्पादन क्षमता प्रतिवर्ष लगभग 127 मिलियन टन है। शेष छह परियोजनाएं निविदा के विभिन्न चरणों में हैं।

मध्य प्रदेश में 26 हजार करोड़ का निवेश करना चाहती है कुवैत की कंपनी कई अन्य ने भी दिखाई दिलचस्पी

इंदौर , (एजेंसी)।

मध्य प्रदेश के इंदौर में प्रवासी भारतीय सम्मेलन में हिस्सा लेने आए कई कंपनियों के प्रतिनिधियों ने राज्य में निवेश मे दिलचस्पी दिखाई है। कुवैत की एक कंपनी राज्य में लगभग 26 हजार करोड़ का निवेश करेगी जिससे ढाई हजार से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गल्फ ल्यूब्स और कुवैत बेस्ड एनबीटीसी कम्पनी की मलेशिया बेस्ड सेंट्रल इंडिया फर्टिलाइजर्स एंड रिफायनरी कम्पनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जेवीवी सत्यनारायण से मध्य प्रदेश में निवेश के संबंध में वन-टू-वन चर्चा की।

कम्पनी द्वारा कुवैत बेस्ड फर्टिलाइजर प्लांट के रिलोकेशन और 10 मीट्रिक टन उत्पादन की क्रूड ऑइल रिफायनरी मध्यप्रदेश में लगाने के प्रस्ताव पर मुख्यमंत्री चौहान ने गो अहेड कहते हुए कहा कि प्रदेश में भूमि गैस पाइप लाइन पर्याप्त विद्युत जल रेल और बेहतर रोड नेटवर्क उपलब्ध है। आप राज्य शासन की टीम के साथ रोडमैप बनायें और बतायें कि कितनी जल्दी इकाई लगाने का काम आरंभ कर रहे हैं।

कंपनी के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि कम्पनी फर्टिलाइजर काम्प्लेक्स में 6000 करोड़ और रिफायनरी काम्प्लेक्स में 15 से 20 हजार करोड़ रूपए का निवेश करेगी। इससे 2500 से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा। मुख्यमंत्री चौहान से अमीरात की बहुराष्ट्रीय कम्पनी लुलु ग्रुप इंटरनेशनल के चेयरमेन और एमडी युसुफ अली मौस्लेम अब्दुल कादर तथा संचालक अनंथ एवी ने प्रदेश में खाद्य प्र-संस्करण केन्द्र एग्री प्रोक्योरमेंट सेंटर में निवेश तथा इंदौर में मॉल स्थापित करने के संबंध में चर्चा की। लुलु ग्रुप 22 देश में 232 स्टोर संचालित कर रहा है। भारत में भी इस ग्रुप के पांच मॉल हैं। ग्रुप राज्य में होटल हायपर मार्केट और कन्वेंशन सेंटर में निवेश का भी इच्छुक है।

मुख्यमंत्री चौहान से डेवलपमेंट बैंक ऑफ सिंगापुर लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी तथा प्रबंध संचालक पीयूष गुप्ता ने प्रदेश में परिसम्पत्ति प्रबंधन और बीपीओ स्थापित करने अधो-संरचना निर्माण परियोजनाओं तथा खाद्य प्र-संस्करण इकाइयों को वित्तीय समर्थन उपलब्ध कराने और कार्बन क्रेडिट के संबंध में गतिविधियां संचालित करने पर चर्चा की। भारत में डीबीएस बैंक इंडिया लिमिटेड इस समूह द्वारा ही संचालित किया जा रहा है।

तंजानिया का एमईटीएल ग्रुप भारत-अफ्रीका अक्रास कंट्री टूरिज्म के क्षेत्र में मध्यप्रदेश से गतिविधियां संचालित करने का इच्छुक है। साथ ही यह समूह आर्गेनिक फार्मिंग इलेक्ट्रिकल व्हीकल निर्माण तथा कृषि के क्षेत्र में निवेश का इच्छुक है। मुख्यमंत्री चौहान से समूह के मुख्य कार्यकारी अधिकारी इंद्रभुवन सिंह तथा प्रतिनिधि विवेक राखेचा ने भेंट की। मुख्यमंत्री चौहान से अमेरिका के स्टारलिट ग्लोबल के जितेन्द्र मुछाल जुगल कालानी और अमित भंडारी ने भी भेंट की और प्रदेश में निवेश की इच्छा जताई।

जॉनसन एंड जॉनसन को राहत बेबी पाउडर का उत्पादन और बेचने की अनुमति

मुंबई, (एजेंसी) ।

बेबी पाउडर का उत्पादन और उस उत्पाद को भारत में बेचने वाली अमेरिका बेस्ड कंपनी जॉनसन एंड जॉनसन को बुधवार को बॉम्बे हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने जॉनसन एंड जॉनसन को बेबी पाउडर बनाने के साथ-साथ उसके उत्पाद को बेचने की भी अनुमति दे दी है। कंपनी पर बेबी पाउडर से कैंसर होने के आरोप लगे थे इसके बाद महाराष्ट्र सरकार ने गत 15 सितंबर को अपने एक आदेश में जॉनसन एंड जॉनसन का लाइसेंस रद्द कर दिया था। इसके बाद 20 सितंबर को अन्य आदेश में बेबी पाउडर के उत्पादन और बिक्री पर भी रोक लगा दी थी। लेकिन अब कंपनी को बड़ी राहत मिली है।बॉम्बे हाईकोर्ट ने जॉनसन एंड जॉनसन को अपना बेबी पाउडर बनाने और बेचने की अनुमति दे दी है। साथ ही महाराष्ट्र सरकार के लाइसेंस रद्द करने के आदेश को सख्त बताकर उस खारिज भी कर दिया है। हाईकोर्ट के आदेश के बाद जॉनसन एंड जॉनसन को बड़ी राहत मिली है।

न्यायमूर्ति गौतम पटेल और न्यायमूर्ति एसजी दिगे की पीठ ने कंपनी को बेबी पाउडर का उत्पादन करने उसका वितरण करने तथा उस बेचने की अनुमति दे दी। पीठ ने कंपनी की राज्य सरकार के दो आदेशों को चुनौती देने वाली एक याचिका पर यह आदेश पारित किया। अदालत ने आदेश में कहा कि कार्यकारी एक चींटी को मारने के लिए हथौड़े का इस्तेमाल नहीं कर सकता। क्या यह हमेशा अपरिहार्य है कि जब किसी उत्पाद का (निर्धारित मानदंडों से) विचलन या गैर-अनुपालन का एक मामला हो तो नियामक प्राधिकरण के पास एकमात्र विकल्प उत्पादन करने वाली कंपनी का लाइसेंस रद्द कर देना होता है? पीठ ने कहा कि यह हमें सख्त प्रतीत होता है।

ऐसा लगता है कि कार्यकारी कार्रवाई में खामी अथवा अतार्किकता है। ऐसा कुछ भी नहीं है जिससे पता चले कि एफडीए (राज्य खाद्य एवं औषधि प्रशासन) ने याचिकाकर्ता कंपनी के किसी अन्य उत्पाद के लिए या किसी अन्य कंपनी के लिए इस तरह का कड़ा रुख अपनाया है।

कोर्ट ने अपनी व्यवस्था में सरकारी आदेशों को रद्द कर दिया और कंपनी को बेबी पाउडर उत्पादों के निर्माण वितरण और बिक्री की अनुमति दे दी।

ऑटो एक्सपो 2023 में मारुति सूजुकी ने पेश की अपनी पहली कॉन्सेप्ट इलेक्ट्रिक एसयूवी ईवीएक्स

नई दिल्ली । ग्रेटर नोएडा में ऑटो एक्सपो की शुरूआत हो चुकी है। देशभर से कंपनियां यहां अपने प्रोडक्ट प्रदर्शित करने वाली हैं। देश की जानी मानी वाहन निर्माता कंपनी मारुति ने भी ऑटो एक्सपो में अपनी पहली कॉन्सेप्ट इलेक्ट्रिक एसयूवी ईवीएक्स को पेश की है। पहली इलेक्ट्रिक कार को लेकर कंपनी का कहना है कि इसे 2025 तक लॉन्च किया जाएगा। इस इलेक्ट्रिक कार में 60 किमी प्रति घंटे का बैटरी पैक दिया गया है जो 550 किमी की रेंज प्रदान करने में सक्षम है। मारूति कॉन्सेप्ट इलेक्ट्रिक एसयूवी ईवीएक्स में एसयूवी डिज़ाइन की बात करें तो इसके एक्सटीरियर में एयरोडायनामिक सिल्हूट लंबा व्हीलबेस और अच्छा ग्राउंड क्लीयरेंस दिया गया है। इसके अलावा इसमे सेफ बैटरी पैक टेक्नालाजी आरामदायर केबिन के साथ- साथ कई सारे क्नेक्टिड फीचर्स के साथ पेश किया गया है। इस मौके पर सूजुकी मोटर कारपोरेशन के अध्यक्ष तोशिहिरो सूजुकी ने कहा कि आज इस इलेक्ट्रिक कार को पेश करके काफी खुश हैं। कंपनी ने देश में पहली ग्लोबल स्ट्रैटिजिक ईवी को पेश कर दिया है।

सरकार को कैसे होती हैं 1 रुपये की कमाई और कहां-कहां होता हैं खर्च

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

अगले माह की पहली तारीख 1 फरवरी को आम बजट पेश होगा। यह बजट देश की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण संसद के सामने रखेंगी। इसके लिए तैयारियां भी शुरू हो चुकी हैं। वित्त मंत्री ने विभिन्न हितधारकों से साथ बैठकें भी शुरू कर दी हैं। इस बजट से अलग-अलग क्षेत्र के लोगों को कई उम्मीदे हैं। नौकरीपेशा लोग टैक्स छूट में वृद्धि वहीं व्यापारी जीएसटी छूट में बढ़ोतरी की आस लगाए हैं। इन लोगों की उम्मीदें पूरी होती हैं या नहीं यह 1 फरवरी को सामने आएगा। भारत 3.5 लाख करोड़ डॉलर से अधिक की अर्थव्यवस्था है इसकारण इसका बजट भी बहुत बड़ा होता है। इतनी बड़ी रकम के साथ ये समझना थोड़ा मुश्किल हो सकता है कि सरकार कहां से कितना कमाती है और कहां पर कितना खर्च करती है। इसलिए इस हम केवल 1 रुपये की मदद से समझ सकते हैं।

पहले जान लेते हैं कि बजट क्या होता हैं बजट का सीधा और सरल मतलब यही होता है कि आपके पास कितना पैसा आया और आपने उसमें से कितना खर्च किया। ये पैसा कहां से आया आप उसे कहां खर्च कर रहे हैं व किन कार्यों में कितनी रकम लगा रहे हैं। ये सब बजट का ही हिस्सा होता है। बजट आम तौर पर हर घर में तैयार किया जाता है। इससे वित्त को संभालने और उसके सही इस्तेमाल में आसानी होती है।

कहां से होती है सरकार की कमाई?

1 रुपये में से सरकार की सबसे अधिक यानी 35 पैसे की कमाई कर्ज व बाकी देनदारियों से होती है। इसके 16 पैसे जीएसटी से कॉरपोरेशन टैक्स से 15 पैसे और इनकम टैक्स से भी 15 पैसे की कमाई होती है। सरकार को 7 पैसे एक्साइज ड्यूटी से मिलते हैं। वहीं कस्टम ड्यूटी व नॉन टैक्स आय से क्रमशः 5-5 पैसे मिलते है। अंत में 2 पैसे की आय सरकार को नॉन डेट कैपिटल से मिलती है।

कहां होता है कितना खर्च?

सरकार का सबसे अधिक पैसा ब्याज पर खर्च होता है। 1 रुपये में से 20 पैसे से सरकार ब्याज भरती है। इसके बाद टैक्स व अन्य शुल्क में राज्यों को 17 पैसा मिलाता है। केंद्र की योजनाओं (सेंट्रल सेक्टर स्कीम) पर 15 पैसे और वित्त आयोग व इस तरह के अन्य खर्चों पर 10 पैसे जाते हैं। केंद्र द्वारा प्रायोजित योजनाओं पर 9 पैसे खर्च होते हैं। मिसलेनियस खर्चों पर 9 पैसे रक्षा पर 8 पैसे सब्सिडी पर 8 पैसे और पेंशन पर 4 पैसे खर्च किए जाते हैं। बता दें कि सेंट्रल सेक्टर स्कीम और केंद्र प्रायोजित योजनाओं में अंतर होता है। पहली स्कीम को केंद्र सरकार पूरी तरह फंड करती है जबकि दूसरी स्कीम को केंद्र आंशिक रूप से स्पॉन्सर करता है।

चालू वर्ष में गर्मी देने वाले उपकरणों की मांग 33 फीसदी बढ़ी : फ्लिपकार्ट

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर 2022 की अवधि में गर्मी देने वाले उपकरणों की मांग में एक साल की समान अवधि की तुलना में 33 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई है। प्रमुख ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट ने यह जानकारी दी है। फ्लिपकार्ट के अनुसार दूसरी और तीसरी श्रेणी के शहरों और आरा दरभंगा दिल्ली गया गाजियाबाद लखनऊ मुजफ्फरपुर और पटना जैसे शहरों सहित पूरे देश में हीटिंग उपकरणों की मांग में वृद्धि हुई है। फ्लिपकार्ट ने बयान में कहा अक्टूबर-दिसंबर की अवधि में पिछले साल की समान अवधि की तुलना में हीटिंग उपकरण खंड की मांग में 33 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। फ्लिपकार्ट के मुताबिक उपभोक्ता स्मार्ट और सुरक्षित उत्पादों पर खर्च करने के इच्छुक हैं। फ्लिपकार्ट के बड़े उपकरण खंड के उपाध्यक्ष हरि कुमार ने कहा देशभर में और विशेष रूप से उत्तर में ग्राहकों के बीच हीटिंग उपकरणों की मांग एक-तिहाई बढ़ी है। हम स्मार्ट हीटिंग उपकरणों को खरीदने के प्रति उपभोक्ताओं के बढ़ती रुचि देख रहे हैं।

भारत के रियल एस्टेट क्षेत्र में निवेश मंचों के गठन की गतिविधियां बढ़ी

मुंबई ।

भारत के रियल एस्टेट क्षेत्र में 2022 में निवेश मंचों के गठन की गतिविधियां बढ़ी हैं। इसके अलावा क्षेत्र में 4.52 अरब डॉलर के निवेश प्रतिबद्धताएं भी की गई हैं जिन्हें आने वाले वर्षों में जमीन पर लाया जाएगा। एक रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी। घरेलू और विदेशी निवेशकों ने भंडारण पार्क कार्यालय संपत्ति छात्रों के लिए आवास और डेटा केंद्र सहित विभिन्न रियल्टी परियोजनाओं के विकास के लिए रियल एस्टेट डेवलपर के साथ मिलकर निवेश मंचों का गठन किया है। कैलेंडर वर्ष 2019 में 165.1 करोड़ डॉलर के मंच समझौतों/साझेदारियों की घोषणा की गई थी। 2020 में 188 करोड़ डॉलर की और 2021 में यह आंकड़ा 332 करोड़ डॉलर था। रिपोर्ट में कहा गया है ''2022 में 452.7 करोड़ डॉलर के मंच समझौतों/साझेदारियों की घोषणा की गई यह निवेश अगले कुछ वर्षों में किया जाएगा।'' भारत में सबसे बड़े निवेशक अमेरिका और कनाडा से हैं। इन निवेश प्रतिबद्धताओं में सबसे बड़ी 41 प्रतिशत हिस्सेदारी गोदाम स्थल की और इसके बाद 35 प्रतिशत कार्यालय क्षेत्र की है। इसके अलावा रियल एस्टेट क्षेत्र में संस्थागत निवेश भी पिछले वर्ष 19 प्रतिशत बढ़कर 515.1 करोड़ डॉलर हो गया जो 2021 में 413.3 करोड़ डॉलर था। पिछले वर्ष संस्थागत निवेशों में सबसे ज्यादा 186 करोड़ डॉलर का निवेश कार्यालय क्षेत्र में आया जो उससे पहले के वर्ष में 136.5 करोड़ डॉलर था। आवास क्षेत्र में 2022 में 156.4 करोड़ डॉलर का निवेश आया। 2021 में यह आंकड़ा 108.1 करोड़ डॉलर था।

रुपे डेबिट कार्ड और लो वेल्यू भीम-यूपीआई ट्रांजैक्शन पर केंद्र देगा 2600 करोड़ का इंसेंटिव

नई दिल्ली । मोदी कैबिनेट ने कम रकम के डिजिटल ट्रांजैक्शन के लिए 2600 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि को मंजूरी दे दी है। बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव ने बताया मोदी मंत्रिमंडल ने रुपे डेबिट कार्ड और भीम यूपीआई लेन-देन को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन योजना को मंजूरी दी। साथ ही कैबिनेट ने तीन मल्टी लेवल कोऑपरेटिव सोसाइटी के गठन का भी निर्णय लिया है। साथ ही मोदी कैबिनेट ने पीएम मुफ्त अनाज योजना का नाम बदलने का फैसला लिया है। अब से पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना कार्यक्रम का नाम होगा। पिछली कैबिनेट में मुफ्त अन्न योजना को एक साल के लिए बढ़ा दिया गया था। बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने बताया कि मोदी कैबिनेट ने मल्टी-स्टेट कोऑपरेटिव सोसाइटीज अधिनियम 2002 के तहत एक राष्ट्रीय स्तर की मल्टी-स्टेट कोऑपरेटिव एक्सपोर्ट सोसाइटी की स्थापना को मंजूरी दी। यह सहकारी समितियों के समावेशी विकास मॉडल से सहकार से समृद्धि के लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद करेगी। बता दें कि अन्न योजना की अवधि 31 दिसंबर को खत्म हो रही थी। कोविड-19 महामारी के दौरान गरीबों को मुफ्त अनाज बांटने की शुरुआत अप्रैल 2020 में की गई थी। इसे ही एक साल के लिए पिछली कैबिनेट बैठक में बढ़ा दिया गया था।

केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र ने कहा कि कैबिनेट ने कोलकाता स्थित राष्ट्रीय पेयजल स्वच्छता और गुणवत्ता केंद्र (एनसीडीडब्ल्यूएसक्यू) का नामकरण डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी राष्ट्रीय जल और स्वच्छता संस्थान (एसपीएम-एनआईडब्ल्यूएएस) के रूप में किए जाने को स्वीकृति दी है। पीएम मोदी कैबिनेट की पिछली बैठक 4 जनवरी को हुई थी। इसके बाद केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने बताया था कि नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मंजूरी दी थी। उन्होंने बताया था कि भारत ग्रीन हाइड्रोजन का ग्लोबल हब बनेगा। प्रतिवर्ष 50 लाख टन ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन होगा। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने दावा किया था कि नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन से 8 लाख करोड़ रुपए का सीधा निवेश होगा और इससे 6 लाख नौकरियां मिलेंगी। इसके अलावा उन्होंने कहा कि 382 मेगावाट के सुन्नी बांध हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर प्रोजेक्ट हिमाचल प्रदेश के लिए मंजूर किया गया है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आईसीसी एकदिवसीय रैंकिंग में विराट छठे और रोहित आठवें स्थान पर आये

नई दिल्ली । टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली आईसीसी एकदिवसीय रैंकिंग में ऊपर आये हैं। श्रीलंका के खिलाफ पहले ही मैच में शानदार बल्लेबाजी कर अर्धशतक 83 रन बनाने से रोहित को एक स्थान का लाभ मिला है और वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की एकदिवसीय रैंकिंग में आठवें नंबर पर पहुंच गये हैं। वहीं इस मैच में 113 रनों की शतकीय पारी खेलने वाले विराट को दो स्थान का लाभ हुआ है और वह छठे स्थान पर पहुंच गये हैं। विराट के अब 726 रेटिंग अंक हो गये हैं। वहीं रोहित के 715 रेटिंग अंक हैं। इस सूची में शीर्ष पर पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान बाबर आजम हैं। बाबर के 891 रेटिंग अंक हैं। वहीं दूसरे नंबर पर दक्षिण अफ्रीका के रैसी वैन डर डसन हैं। रैसी के 766 रेटिंग अंक हैं। पाक के इमाम उल हक 764 रेटिंग अंक के साथ ही तीसर स्थान पर हैं। वहीं दक्षिण अफ्रीका के क्विंटन डिकॉक 759 रेटिंग अंक लेकर चौथे स्थान पर हैं। ऑस्ट्रेलिया के डेविड वार्नर 747 रेटिंग अंक लेकर पांचवें स्थान पर हैं। ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ 719 रेटिंग अंक लेकर सातवें स्थान पर हैं। इंग्लैंड के जानी बेयरेस्टो 710 रेटिंग अंक लेकर नौवें जबकि पाक के फखर जमां 695 रेटिंग अंक लेकर दसवें स्थान पर हैं।

टीम इंडिया दूसरे एकदिवसीय को जीतकर सीरीज अपने नाम करने उतरेगी

ईडन गार्डन, (एजेंसी) ।

भारतीय क्रिकेट टीम यहां गुरुवार को मेहमान टीम श्रीलंका को दूसरे एकदिवसीय में हराकर तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज अपने नाम करने उतरेगी। पहले एकदिवसीय में जीत के साथ ही भारतीय टीम के पास 1-0 की बढ़त है। भारतीय टीम के लिए राहत की बात यह है कि कप्तान रोहित शर्मा और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने अपना फार्म हासि कर लिया है। विराट ने पहले मैच में शतक जबकि रोहित ने अर्धशतक लगाया था। इसके अलावा अन्य बल्लेबाजों का प्रदर्शन भी अच्छा रहा था। भारतीय टीम के लिए दूसरा मैच हालांकि आसान नहीं रहेगा क्योंकि जिस प्रकार श्रीलंकाई टीम ने लक्ष्य का पीछा करते हुए तीन सौ से अधिक रन बनाये थे उससे साफ है कि वह दूसरे मैच में बराबरी के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम को श्रीलंकाई कप्तान कप्तान दसुन शनाका से सावधान रहना होगा। शनाका ने पहले मैच में शानदार शतक लगाकर अपनी टीम का हौसला बढ़ाया था। पहले मैच में लंकाई टीम ने 374 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 8 विकेट पर 306 रन बनाए थे। शनाका मैच में अंतिम क्षणों तक संघर्ष करते रहे। भारतीय गेंदबाजों को सभी विकेट भी नहीं मिल पाये। शनाका ने इससे पहले हुई टी20 सीरीज में पहला मैच हारने के बाद भी अपनी टीम को दूसरे मैच में जीत दिलायी थी। इससे साफ है कि वह एकदिवसीय सीरीज में भी पलटवार करेंगे। पहले एकदिवसीय में लंकाई कप्तान ने 206 रन पर आठ विकेट गिर जाने के बाद भी हिम्मत नहीं हारी। उन्होंने 88 गेंद में 108 रन की नाबाद पारी खेली जिसमें 12 चौके और 3 छक्के के शामिल थे।मैच में शनाका छठे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे। उस समय श्रीलंका का स्कोर 24.5 ओवर में 4 विकेट पर 136 रन था। इसके बाद 4 विकेट और गिर गए पर शनाका ने कसुन रजीता के साथ मिलकर नौवें विकेट के लिए 100 रन बना दिये। इसमें 88 रन शनाका के थे। एकदिवसीय में नंबर छह या इससे नीचे बल्लेबाजी कर शतक लगाने वाले शनाका एकमात्र कप्तान हैं। उन्होंने इससे पहले जिम्बाब्वे के खिलाफ भी 102 रन बनाए थे।

शनाका ने टी20 सीरीज में भी टीम इंडिया के गेंदबाजों का परेशान किया था। तीसरे टी20 में भी उन्होंने अंतिम क्षणों तक संघर्ष किया था। शनाका बल्लेबाजी के साथ ही अपनी तेजी गेंदबाजी से भी भारतीय बल्लेबाजों के लिए मुसीबत बन सकते हैं। इसलिए टीम को उनपर अंकुश लगाना होगा।

विराट ने अपनी सफलता का श्रेय संतुलित डाइट को दिया

गुवाहटी, (एजेंसी) ।

श्रीलंका के खिलाफ पहले ही एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले में शानदार शतक लगाने वाले टीम इंडिया के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने इसका श्रेय अपनी संतुलित डाइट को दिया जिसके कारण वह फिट बने रहते हैं। शानदार शतकीय पारी खेलने के बाद कोहली ने कहा कि मेरी डाइट मुझे 100 फीसदी देने में सहायता करती है। कोहली ने कहामुझे क्रिकेट से थोड़ा ब्रेक मिला है और इस खेल में कुछ अभ्यास सत्र आ रहे हैं। इसलिए मैं बांग्लादेश दौरे के बाद तरोताजा बना हुआ था। मैं घरेलू सत्र शुरू होने को लेकर उत्साहित भी बना हुआ था। इस दौरानसलामी बल्लेबाजों ने मुझे खेल में उतरने दिया और मैंने अपने स्ट्राइक रेट को नियंत्रित करने का भी प्रयास किया। मैं गति बनाए रखने में भी सक्षम हुआ। कोहली ने साथ ही कहा इस मामले में भाग्य की भी अहम भूमिका होती है आपको इस प्रकार की पारियों पर भगवान का आभार व्यक्त करना चाहिये। साथ ही कहा कि मैंने किस्मत से मिले इस अवसर का पूरा फायदा उठाया।मैं इस बात से काफी वाकिफ हूं कि मैं क्या खाता हूं इस उम्र में डाइट सबसे अहम होती। यह मुझे प्रमुख आकार में रखता है। इससे मुझे टीम के लिए अपना 100 फीसदी देने में सहायता मिलती है। विराट ने इस मैच में घरेलू धरती पर अपना 20वां एकदिवसीय शतक लगाने के साथ ही महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के घरेलू धरती पर सबसे ज्यादा 20 शतक लगाने के रिकाड की भी बराबरी की।

निशानेबाजी: मेहुली ने महिला राइफल ट्रायल, अंकुर ने पुरुषों का रैपिड फायर जीता

पश्चिम बंगाल की मेहुली घोष और उत्तराखंड के अंकुर गोयल ने यहां कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में ग्रुप ए निशानेबाजों के लिए राष्ट्रीय शूटिंग ट्रायल (राइफल and पिस्टल) के चौथे दिन महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल टी1 और पुरुषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल टी2 स्पर्धा को अपने नाम किया। स्वर्ण पदक मुकाबले में मेहुली ने तमिलनाडु की आर नर्मदा नितिन पर 17-9 की जीत दर्ज की, जबकि अंकुर ने राजस्थान के भावेश शेखावत को मेडल राउंड में 29-25 से मात दी। नर्मदा ने क्वालीफिकेशन में 60 शॉट के बाद 633.5 की गुणवत्ता के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया था, जबकि मेहुली ने 631.2 अंक हासिल किए थे। ओलंपियन एलावेनी वलारिवन, जिन्होंने कांस्य जीता, 629.3 के साथ क्वालीफाइंग में पांचवें स्थान पर रहीं। शीर्ष आठ में, नर्मदा और मेहुली दोनों 264.2 के समान स्कोर के साथ शीर्ष पर रहीं और स्वर्ण पदक मैच में आपस में भिड़ीं। स्वर्ण पदक मुकाबले में मेहुली ने तमिलनाडु की आर नर्मदा नितिन पर 17-9 की जीत दर्ज की, जबकि अंकुर ने राजस्थान के भावेश शेखावत को मेडल राउंड में 29-25 से मात दी।

मलेशिया ओपन: मारिन से हारी सिंधु, प्रणय और सात्विक-चिराग की जोड़ी आगे बढ़ी

कुआंलालम्पुर, (एजेंसी)

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु 2023 में जीत की शुरूआत नहीं कर सकीं, क्योंकि बुधवार को उन्हें यहां मलेशिया ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के शुरूआती दौर में रियो 2016 की चैंपियन स्पेन की कैरोलिना मारिन से हार का सामना करना पड़ा। चोट के कारण पांच महीने तक बाहर रहने के बाद वापसी करने वाली सिंधु राष्ट्रमंडल खेलों 2022 में स्वर्ण पदक जीतने के बाद से अपने पहले मैच में 12-21, 21-10, 15-21 से हार गईं। 2021 में स्विस ओपन के फाइनल में मारिन द्वारा सिंधु को हराने के बाद से रियो 2016 के फाइनलिस्ट के बीच यह पहला मैच था। दूसरी ओर, एचएस प्रणय और विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता पुरुष जोड़ी चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रैंकीरेड्डी ने अंतिम-16 में प्रवेश किया। पुरुष एकल में प्रणय ने पहले दौर में राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन लक्ष्य सेन को तीन गेमों में 22-24, 21-12, 21-18 से हराया। पुरुष युगल जोड़ी सात्विक और चिराग ने दुनिया के नौवें नंबर की कोरियाई जोड़ी चोई सोल ग्यू और किम वोन हो को 21-16, 21-13 से हराया। एकल स्पर्धा में भाग लेने वाले एकमात्र भारतीय प्रणय का सामना क्वार्टरफाइनल में दूसरी वरीय स्थानीय खिलाड़ी ली जी जिया से संभावित क्वार्टरफाइनल भिड़ंत के लिए इंडोनेशियाई चिको आरा द्वी वाडोर्यो से होगा। सिंधु की

हार से महिला एकल वर्ग में भारत की चुनौती समाप्त हो गई क्योंकि मालविका बंसोड़ को दुनिया की नंबर 2 कोरियाई एन से यंग से 9-21, 13-21 से हार का सामना करना पड़ा। एकल स्पर्धा में भाग लेने वाले एकमात्र भारतीय प्रणय का सामना क्वार्टरफाइनल में दूसरी वरीय स्थानीय खिलाड़ी ली जी जिया से संभावित क्वार्टरफाइनल भिड़ंत के लिए इंडोनेशियाई चिको आरा द्वी वाडोर्यो से होगा।

संक्षिप्त समाचार

पृथ्वी ने रणजी ट्रॉफी में असम के खिलाफ तिहरा शतक लगाया

नई दिल्ली । मुम्बई के बल्लेबाज पृथ्वी शॉ ने असम के खिलाफ यहां रणजी ट्रॉफी क्रिकेट में शानदार बल्लेबाजी करते हुए तिहरा शतक लगाया है। इसी के साथ ही पृथ्वी ने घरेलू क्रिकेट में अपना पहला तिहरा शतक लगाया है। इस बल्लेबाज ने दूसरे दिन के पहले ही सत्र में 43 चौके और 2 छक्के लगाकर 326 गेंद में अपना तिहरा शतक पूरा किया। यह घरेलू क्रिकेट में उनका सबसे अधिक स्कोर भी है। इससे पहले का पृथ्वी का सर्वाधिक स्कोर 202 रन था। पृथ्वी 383 गेंद पर 379 रन बनाकर एलबीडब्ल्यू आउट हुए। पृथ्वी के इस तिहरे शतक से मुंबई की टीम ने असम के खिलाफ केवल दो विकेट खोकर 500 से ज्यादा रन बनाये हैं। पृथ्वी रणजी ट्रॉफी में मुंबई की ओर से तिहरा शतक बनाने वाले 8वें बल्लेबाज हैं। पहले दिन उन्होंने 240 रन बनाये थे। इस पारी से पृथ्वी का मनोबल बढ़ने के साथ ही उनकी भारतीय टीम में वापसी की राह भी बन सकती है। इस पारी से पहले पृथ्वी अच्छे फार्म में नहीं थे और उन्होंने पिछली सात पारियों में केवल 160 रन बनाए थे। घरेलू क्रिकेट में पृथ्वी ने अब तक 41 फर्स्ट-क्लास मैच में 3300 रन बनाए हैं। उन्होंने इस दौरान 12 शतक और 15 अर्धशतक लगाये हैं। इस पारी से उन्होंने अगले माह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली बॉडर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए अपनी दावेदारी भी पेश कर दी है।

रोहित ने अपने फैसले से जीता दिल

गुवाहाटी । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने श्रीलंका की बल्लेबाजी के दौरान अपने एक फैसले से खेल प्रेमियों का दिल जीत लिया। इस मैच के अंतिम ओवर में जब श्रीलंकाई कप्तान दासुन शनाका अपने शतक से केवल 2 रन दूर थे तब उन्होंने गेंदबाजी के एक्शन पूरा होने से पहले ही क्रीज छोड़ दी। ऐसे में गेंदबाजी कर रहे मोहम्मद शमी ने गेंद स्टंप्स पर मारकर उन्हें आउट किये जाने की अपील की। यह आउट थर्ड अंपायर तक भी पहुंच गया पर रोहित ने शमी से बात कर अपील वापस लेने कहा जिसके बाद श्रीलंकाई कप्तान ने अपना शतक पूरा किया। इस प्रकार शनाका को मांकडिंग यानी रन आउट करने से रोकने के रोहित के फैसले से स्पिनर आर अश्विन की याद आ गई। अश्विन आईपीएल से लेकर अंतरराष्ट्रीय मैचों तक में मांकडिंग करते रहे हैं। मांकडिंग को लेकर खेल जगत में भी एक राय नहीं है। कुछ इसके पक्ष में जबकि कुछ विरोध में हैं। एक वर्ग इस नियम का भरपूर समर्थक है जबकि दूसरा वर्ग इसे फेयर प्ले नहीं मानता। रोहित ने मैच के बाद कहा कि जिस प्रकार से शनाका बल्लेबाजी कर रहे थे। उसको देखते हुए हम उन्हें मांकडिंग से आउट नहीं करना चाहते थे।

भाला फेंक खिलाड़ी शिवपाल पर प्रतिबंध की अवधि घटी

नाडा ने सप्लीमेंट में गड़बड़ी मानी

नई दिल्ली, (एजेंसी) ।

राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने भाला फेंक खिलाड़ी शिवपाल सिंह पर लगे प्रतिबंध की अवधि को घटा दिया है। ऐसे में शिवपाल अब प्रतिस्पर्धा में भाग ले सकेंगे। इससे पहले उन्हें चार साल की सजा हुई थी जो अब घटाकर एक साल कर दी गयी। शिवपाल की सजा कम करने के फैसला नाडा के अपील पैनल ने इसलिए किया क्योंकि शिवपाल के वकील ने डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) के सामने बताया कि 'खाने के सप्लीमेंट में गड़बड़ी के कारण शिवपाल डोप परीक्षण में असफल हुए थे और इस मामले में उनकी ओर से कोई लापरवाही नहीं हुई थी। नाडा के डोपिंग रोधी अनुशासन पैनल ने शिवपाल को गत वर्ष 16 अगस्त को चार साल के लिए प्रतिबंधित किया था क्योंकि सितंबर 2021 में उनका डोप नमूना स्टेरॉयड के लिए पॉजीटिव पाया गया था। इसके बाद उनपर प्रतिबंध लगा था जो 21 अक्टूबर 2021 से शुरू हुआ था। शिवपाल के वकील पार्थ गोस्वामी ने कहा ''शिवपाल ने अपील पैनल के समक्ष पक्ष रखा कि पॉजीटिव परिणाम जानबूझकर की गई गलती के कारण नहीं बल्कि खाने के सप्लीमेंट के कारण हुआ था। नमूना एकत्रित करते समय डोपिंग नियंत्रण फॉर्म में खिलाड़ी ने इस सप्लीमेंट का जिक्र किया था। गोस्वामी ने कहा ''यह सप्लीमेंट हर्बल पावर फार्मेसी से खरीदा गया था और यह सप्लीमेंट बाद में गड़बड़ी वाला पाया गया और इस मामले में उसके खिलाफ प्राथमिकी भी दर्ज की गई। शिवपाल ने जिस सप्लीमेंट का सेवन किया था उसका राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला (एनडीटीएल) में परीक्षण भी किया गया था। गोस्वामी ने कहा ''एनडीटीएल ने पुष्टि की कि सप्लीमेंट में गड़बड़ी थी और साथ ही इसमें मेथाडाईनोन होने की पुष्टि भी की जो खिलाड़ी के नमूने में पाया गया था। शिवपाल ने अपने वकीलों के जरिए पक्ष रखा कि उन्होंने पूरी सतर्कता बरती थी और उन्होंने सप्लीमेंट का लेबल भी देखा था जिसमें किसी प्रतिबंधित पदार्थ का जिक्र नहीं था। वहीं इस मामले में अपील पैनल ने कहा कि वे संतुष्ट हैं कि शिवपाल ने सतर्कता बरती और इंटरनेट पर सर्च करके सामग्री की जांच की और उसके बाद सप्लीमेंट लिया और पैनल ने यह भी कहा कि शिवपाल लापरवाह नहीं थे।

आईपीएल नहीं खेल पायेंगे ऋषभ : गांगुली

मुम्बई । विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत कार हादसे के बाद से ही अस्पताल में भर्ती हैं। उनके घुटने के लिगामेंट की भी सर्जरी हुई है। ऐसे में डॉक्टरों का कहना है कि वह करीब छह महीने तक खेल से दूर रहेंगे। इसी को देखते हुए उनके आईपीएल खेलने को लेकर संदेह जताया जा रहा था। इसी को लेकर अब दिल्ली कैपिटल्स के क्रिकेट डायरेक्टर सौरव गांगुली का बयान आया है। ऋषभ दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान है। गांगुली ने कहा कि ऋषभ आईपीएल में नहीं खेलेंगे। उन्होंने कहा कि इस क्रिकेटर को अभी ठीक होने में समय लगेगा। गांगुली ने कहा ऋषभ की चोट से दिल्ली कैपिटल्स प्रभावित हुई है। यह एक भयानक हादसा था। अभ वह केवल 23 साल का है और उसके पास काफी समय है। पंत के टीम में नहीं होने के कारण दिल ली की कप्तानी किसको दी जाएगी। इसको लेकर गांगुली ने कहा कि अभी इसका फैसला नहीं हुआ है। वहीं अटकले हैं कि ऑस्ट्रेलिया के डेविड वार्नर को कप्तान बनाया जा सकता है हालांकि गांगुली ने इसपर कुछ नहीं कहा। गौरतलब है कि बीसीसीआई अध यक्ष पद से हटने के बाद गांगुली ने दिल्ली कैपिटल्स का डायरेक्टर का पद संभाला। गांगुली साल 2019 में भी दिल्ली कैपिटल्स के मेंटॉर रहे थे। इसके बाद वह बीसीसीआई अध्यक्ष बने।

भारत दौर के लिए पहले टेस्ट से बाहर हुए स्टार्क मर्फी शामिल

सिडनी । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क भारतीय टीम के खिलाफ होने वाले पहले क्रिकेट टेस्ट मैच से बाहर हो गये हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिय (सीए) ने फरवरी में होने वाले भारत दौरे के लिए चोटिल स्टार्क की जगह पर युवा तेज गेंदबाज टॉड मर्फी को शामिल किया है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहला क्रिकेट टेस्ट मैच 9 फरवरी से शुरू होगा। सीए ने भारत दौरे के लिए 18 खिलाड़ियों का दल घोषित किया है। है। स्टार्क दल में रखा गया है पर वह फिट नहीं होने के कारण नागपुर में होने वाले पहले टेस्ट से बाहर रहेंगे। इस दौर पर ऑस्ट्रेलिया ने विक्टोरियाई ऑफ स्पिनर टॉड मर्फी सहित चार स्पिनरों को शामिल किया है। स्टार्क को अंगुली दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट के दौरान चोट लग गयी थी इसी कारण वह इस सीरीज से बाहर हो गये थे। वहीं कैमरन ग्रीन भी तेजी से फिट हो रहे हैं। वह भी टीम के साथ रहेंगे। चयनकर्ताओं ने भारत दौरे के लिए दल में नाथन लियोन एश्टन एगर मिशेल स्वेपसन और मर्फी सहित चार स्पिनरों को जगह दी है क्योंकि भारत में स्पिनरों को सहायता मलती है।

आईएसएल: हैदराबाद के खिलाफ जीतने के लिए उतरेगी चेन्नईयन की टीम

हैदराबाद, (एजेंसी)

हेड कोच थॉमस ब्रेडरिक ने गुरुवार को यहां जीएमसी बालयोगी एथलेटिक स्टेडियम में इंडियन सुपर लीग 2022-23 के मैच में हैदराबाद एफसी की चुनौती का सामना करने से पहले चेन्नईयन एफसी के अपने खिलाड़ियों से अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का आग्रह किया। ब्रेडरिक ने बुधवार को कहा, हैदराबाद के खिलाफ खेलना एक अच्छी चुनौती है कि हम कहां खड़े हैं। वे काफी अनुभवी टीम हैं। पिछले साल में हमने इन टीमों के खिलाफ प्रतिस्पर्धी होने के लिए कड़ी मेहनत की है और हम कल उनसे मुकाबला करना चाहते हैं और हम करेंगे। हैदराबाद फिलहाल अंक तालिका में दूसरे स्थान पर है जबकि चेन्नईयन 15 अंकों के साथ सातवें स्थान पर है। हैदराबाद के खिलाफ जीत से मरीना मचान्स को फाइनल प्लेआफ में जगह बनाने में मदद मिलेगी क्योंकि वे छठे स्थान पर मौजूद एफसी गोवा से सिर्फ चार अंक पीछे हैं। गोल करने के मामले में चेन्नईयन और हैदराबाद एक-दूसरे से ज्यादा दूर नहीं हैं क्योंकि उन्होंने मौजूदा सत्र में अब तक क्रमशः 23 और 27 गोल किए हैं। मुख्य कोच ने कहा, यह बहुत दिलचस्प लीग है। सभी 11 टीमें एक-दूसरे को हरा सकती हैं, इसलिए हमें सभी टीमों का बहुत अच्छी तरह से विश्लेषण करना होगा और खिलाड़ियों को मैच में जाने के लिए आत्मविश्वास देना होगा। हम अगले मैच (हैदराबाद के खिलाफ) पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। यह एक कठिन मैच है, लेकिन टीम तैयार होगी। ब्रेडरिक के खिलाड़ियों ने जमशेदपुर के खिलाफ अपने आखिरी मैच में प्रभावशाली प्रदर्शन किया, क्योंकि उन्होंने दो गोल से ड्रॉ के साथ एक अंक हासिल करने के लिए संघर्ष किया। गोलकीपर समिक मित्रा ने उस मैच में चेन्नईयन के लिए दो बचाव किए, जिससे इस सीजन में दो मैचों में उनके कुल आठ बचाव हुए।

22 वर्षीय पश्चिम बंगाल में जन्मे गोलकीपर मित्रा ने कहा, टीम में होना और खेलना वास्तव में अच्छा लगता है। कोच और सभी ने मुझे आत्मविश्वास दिया। चेन्नईयन के लिए खेलना हमेशा गर्व का क्षण होता है। बचाव करना मेरा काम है और मैं टीम के लिए यही करता हूं। मैं योगदान देना चाहता हूं। गोलकीपर समिक मित्रा ने उस मैच में चेन्नईयन के लिए दो बचाव किए, जिससे इस सीजन में दो मैचों में उनके कुल आठ बचाव हुए।

शनाका को नहीं लेकर पछता रही होगी सनराइजर्स

नई दिल्ली । श्रीलंकाई क्रिकेट टीम के कप्तान दासुन शनाका ने जिस प्रकार पहले एकदिवसीय क्रिकेट मैच में शतकीय पारी खेलकर अपनी टीम को लक्ष्य तक पहुंचाने का प्रयास किया उससे उन्होंने प्रशंसकों का दिल जीत लिया है। भले ही वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाये पर टीम इंडिया से मिले विशाल लक्ष्य का पीछा करने में उन्होंने कोई कसर नहीं छोड़ी। शनाका ने इससे पहले की भी सीरीजों में शानदार प्रदर्शन किया है। उनकी कप्तानी में श्रीलंका ने गत वर्ष एशिया कप जीता था। इसके बाद भी शनाका को आईपीएल में किसी टीम ने नहीं खरीदा जबकि उनका आधार मूल्य 50 लाख रुपये था। शानका एक अच्छे बल्लेबाज और तेज गेंदबाज होने के साथ ही कुशल कप्तान भी हैं। ऐसे में उन्हें नीलामी में न खरीदकर आईपीएल टीम सनराइजर्स हैदराबाद जरुर पछता रही होगी क्योंकि वह नयी टीम तैयार कर रही है। उनके टीम में रहने से सनराइजर्स की कप्तान की समस्या भी हल हो जाती साथ ही उसे एक अच्छा बल्लेबाज ओर तेज गेंदबाज भी मिला जाता। केन विलयमसन के बाहर हो जाने के बाद से सनराइजर्स नये कप्तान की तलाश में है। शनाका ने अपनी टीम के लिए पहले भी शानदार पारियां खेली हैं। टी20 सीरीज में उन्होंने तीन पारियों में 62 की औसत और 187 की स्ट्राइकरेट से 124 रन बनाये थे। इस प्रदर्शन के बाद भी उनके आईपीएल में नहीं बिकने पर सवाल उठने स्वाभाविक हैं। शनाका की नेतृत्व क्षमता सभी ने देखी है। श्रीलंका अगस्त-सितंबर में जब एशिया कप चैंपियन बना था। तब टीम टूर्नामेंट में केवल एक मैच ही हारी थी। एशिया कप में श्रीलंका की टीम ने लगातार पांच मुकाबले जीते थे। शनाका ने पिछले एक साल में टी20 में 400 रन बनाये हैं। आईपीएल का आयोजन भारत में होने के कारण है शनाका और भी फायदेमंद साबित हो सकते थे। ऐसे में उन्हें नहीं लेकर हैदराबाद और अन्य फ्रेंचाइजी ने बड़ी गलती कर दी है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पार्वती घाटी में घूमने की हैं कई बेहतरीन जगहें

पार्वती घाटी के दूर के छोर पर स्थित, तोश को सुंदर घाटी का अंतिम गाँव माना जाता है जो हिप्पी और साहसिक उत्साही लोगों के बीच बहुत लोकप्रिय है। तोश की सड़क लंबी और घुमावदार है। तोश अन्य शहरों के विपरीत है जो मणिकरण या कसोल जैसे पार्वती नदी के साथ स्थित हैं।

भारत अपनी भौगोलिक विविधता के लिए जाना जाता है और यही कारण है कि यहां के हर राज्य में आपको प्रकृति का एक अलग सौंदर्य देखने को मिलेगा। ऐसा ही एक स्थान हिमाचल प्रदेश में भी स्थित है। भुंतर से स्पीति तक फैली, पार्वती घाटी हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में स्थित है। घाटी के पास घूमने के लिए कई आकर्षक स्थान हैं। रुद्र-नाग, सर्प के आकार का झरना, खिरगंगा के देवदार के जंगल जहाँ भगवान शिव का ध्यान किया जाता है, पांडु पुल का चट्टान का निर्माण और पिन-पार्वती दर्रा कुछ लोकप्रिय पर्यटन आकर्षण हैं। पिन वैली नेशनल पार्क एक अन्य पर्यटक आकर्षण है और यह हिम तेंदुए सहित वन्यजीवों की आबादी के लिए जाना जाता है। तो चलिए आज हम आपको पार्वती घाटी के आसपास घूमने की कुछ बेहतरीन जगहों के बारे में बता रहे हैं-

कसोल

हिमाचल प्रदेश में मिनी इज़राइल के रूप में जाना जाता है, कसोल पार्वती घाटी में एक हिल स्टेशन है। यह कुल्लू से 42 किमी पूर्व में 1640 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। कसोल अपनी सुंदर घाटी, पहाड़ों और महान जलवायु के कारण पूरे वर्ष बैकपैकर्स, ट्रेकर्स और प्रकृति के प्रति उत्साही लोगों को अपनी ओर आकर्षित करता है। यहां पर मौजूद कैफे और रेस्तरां स्थानीय व्यंजनों के साथ इजरायल के व्यंजन परोसते हैं। कसोल में पार्वती नदी सफेद पानी राफ्टिंग के लिए आदर्श है। कसोल में पूरे साल सुखद मौसम रहता है। कसोल घूमने का सबसे अच्छा समय मार्च से मई तक है।

तोश

पार्वती घाटी के दूर के छोर पर स्थित, तोश को सुंदर घाटी का अंतिम गाँव माना जाता है जो हिप्पी और साहसिक उत्साही लोगों के बीच बहुत लोकप्रिय है। तोश की सड़क लंबी और घुमावदार है। तोश अन्य शहरों के विपरीत है जो मणिकरण या कसोल जैसे पार्वती नदी के साथ स्थित हैं। हालाँकि कुछ हद तक इसका व्यवसायीकरण हो गया है, फिर भी सड़कें, दुकानें और घर समान हैं। आप दिन में अपने चारों ओर बर्फ से ढके पहाड़ों और ग्लेशियरों को देख सकते हैं और रात में आकाश में फैले मिल्की वे को देख सकते हैं। या आप पास के ट्रेकिंग ट्रेल्स पर घूमने जा सकते हैं।

रसोल

पार्वती घाटी के लोकप्रिय शहर कसोल से लगभग 4 किमी की दूरी पर स्थित, रशोल या रसोल एक गाँव है जो तेजी से लोकप्रियता हासिल कर रहा है। पार्वती नदी की भीड़ से दूर, रसोल पहाड़ों में ऊंचे स्थान पर स्थित है, जो समुद्र तल से लगभग 3,000 मीटर की ऊंचाई पर है।

एडवेंचर्स प्लेसेस पर घूमना लगता है अच्छा तो शादी से पहले एक बार इन जगहों पर जरूर जाएं

भारत एक टूरिस्ट फ्रेंडली देश है। यहां अंतरराष्ट्रीय से लेकर घरेलू पर्यटकों के देखने व घूमने के लिए काफी कुछ है। फिर भले ही आप प्रकृति प्रेमी हों या कुछ वक्त शांत माहौल में खुद के साथ बिताना चाहते हैं। आपको बीचेस पर घूमना पसंद हो या फिर कुछ रोमांचक करना, भारत में आपको हर तरह की एक्टिविटी करने का मौका मिलेगा। आज इस लेख में हम आपको भारत की कुछ एडवेंचर्स जगहों के बारे में बता रहे हैं, जहां पर आप भरपूर मौज-मस्ती करके एक नया एक्सपीरियंस ले सकते हैं। तो चलिए जानते हैं भारत की कुछ एडवेंचर्स प्लेसेस के बारे में-

ऋषिकेश

ऋषिकेश उत्तरी राज्य उत्तराखंड में गंगा नदी के तट पर स्थित है। यह शहर ज्यादातर तीर्थस्थल है और इसे भारत की योग राजधानी के रूप में भी जाना जाता है। हालांकि, रोमांच चाहने वाले पर्यटकों के लिए यहाँ कुछ साहसिक गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं। आप गंगा नदी में राफ्टिंग, रॉक एंड क्लिफ चढ़ाई जैसी गतिविधियां कर सकते हैं, पास के जंगल में एक सर्वाइवल कैंप में भाग ले सकते हैं या बंजी जंपिंग भी कर सकते हैं।

लद्दाख

लद्दाख को कई मठों की भूमि के रूप में जाना जाता है। यह शहर भारत में सबसे अधिक ऊंचाई पर स्थित है। यहां के आसपास की भूमि की स्थलाकृति, ट्रेकिंग और राफ्टिंग के लिए एक आदर्श स्थान है। लद्दाख की प्रसिद्ध चदर ट्रेक, जो एक जमी हुई नदी पर एक ट्रेक है, यहाँ होता है। इसके अलावा, आप खूबसूरत ज़ांस्कर घाटी में राफ्टिंग कर सकते हैं।

गुलमर्ग

गुलमर्ग जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में स्थित है। यहां पर आने के बाद आपको स्विट्जरलैंड के एक विशिष्ट गांव की याद जरूर आएगी। पूरा शहर एक उच्च ऊँचाई पर स्थित है और भारी बर्फबारी का सामना करता है। यहां प्राप्त बर्फबारी होने के कारण, हेलि-स्कीइंग यहां का एक लोकप्रिय रोमांचक खेल है। हेलि-स्कीइंग में स्की पर हेलीकॉप्टर से कूदना और कठोर ठंडी हवाओं का सामना करना शामिल है।

मनाली

मनाली उत्तरी राज्य हिमाचल प्रदेश में स्थित एक टाउनशिप है और एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल भी है। मनाली में आपको कई एडवेंचर्स एक्टिविटी जैसे पार्वती घाटी में ट्रैकिंग आदि करने का मौका मिलेगा। हालांकि, यहां सबसे प्रसिद्ध रोमांचक गतिविधियों में से एक बाइकिंग करना है। मार्ग आपको मनाली में स्थित विभिन्न गाँवों और इसके आसपास के इलाकों में ले जाएंगे। इस दौरान आपको कुछ सुंदर परिदृश्यों से गुज़रना होगा और वास्तव में आप इस जगह का अनुभव कर सकते हैं।

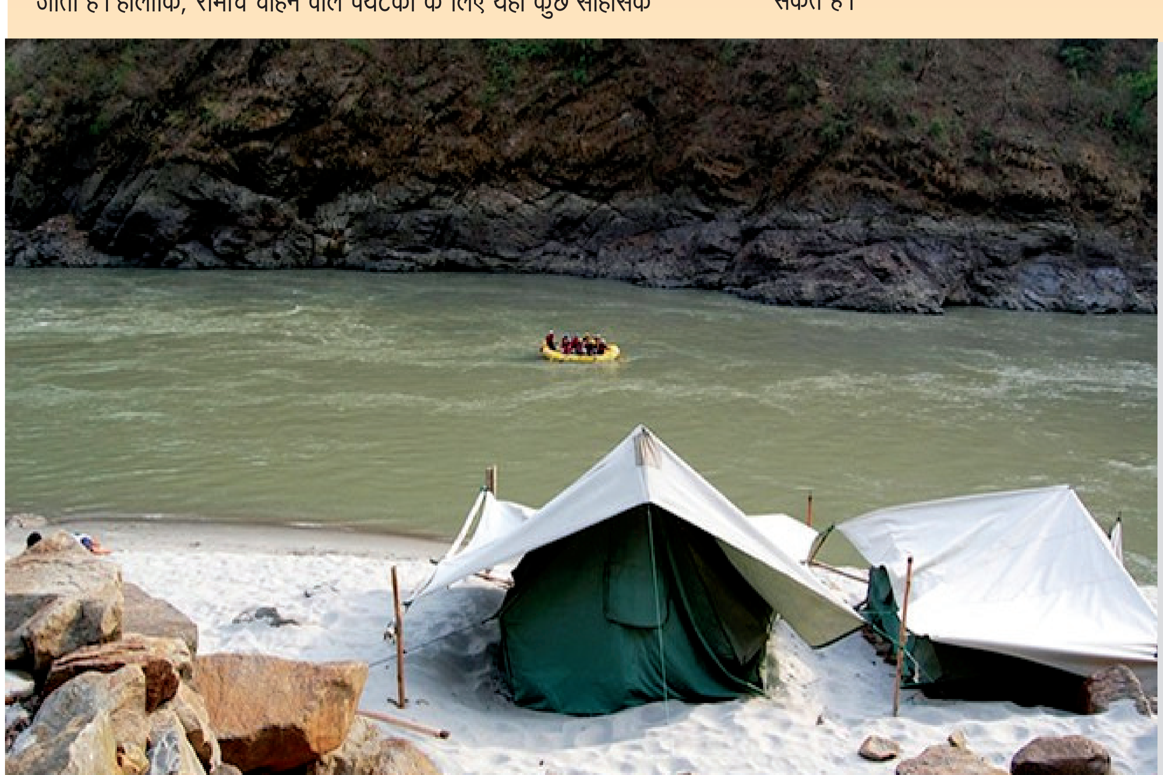

ऋषिकेश उत्तरी राज्य उत्तराखंड में गंगा नदी के तट पर स्थित है। यह शहर ज्यादातर तीर्थस्थल है और इसे भारत की योग राजधानी के रूप में भी जाना जाता है। हालांकि, रोमांच चाहने वाले पर्यटकों के लिए यहाँ कुछ साहसिक गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं।

पुदुचेरी में यह जगह करवाएंगी आपको एक अलग अनुभव

तमिलनाडु राज्य का पुदुचेरी शहर कई मायनों में देश के अन्य शहरों से काफी अलग है। दरअसल, तमिलनाडु के पुदुचेरी में करीबन 300 साल तक फ्रांसीसी अधिकार रहा, जिसका व्यापक प्रभाव इस शहर पर पड़ा। आज भी पुदुचेरी में आपको फ्रांसीसी वास्तुशिल्प और संस्कृति की छटा दिखेगी। इतना ही नहीं, यहां का प्राकृतिक सौंदर्य तो अनुपम है ही, साथ ही इसका अपना एक ऐतिहासिक और आध्यात्मिक महत्व भी है। घुमक्कड़ी के शौकीन लोगों को एक बार इस शहर का भी दौरा करना चाहिए। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको पुदुचेरी में घूमने लायक कुछ अच्छी जगहों के बारे में बता रहे हैं-

गिंगी किला

पुदुचेरी में घूमने के लिए गिंगी किला सबसे अच्छे स्थानों में से एक है। किले को 1921 में एक राष्ट्रीय स्मारक के रूप में घोषित किया गया है। एक अद्वितीय वास्तुशिल्प उपलब्धि होने के अलावा यह राज्य के कुछ महत्वपूर्ण किलों में से एक है। इतिहास और वास्तुकला प्रेमियों को पुदुचेरी में छुट्टियों में इस जगह पर एक बार जरूर जाना चाहिए।

श्री गोकिलम्बल थिरुक्मेश्वर मंदिर

पुदुचेरी में देखने के लिए अद्वितीय स्थानों में से एक, मंदिर में एक विशाल 15 मीटर लंबा मंदिर रथ है जो आम तौर पर ब्रह्मोत्सवम के दौरान एक जुलूस पर निकाला जाता है, जो मूल रूप से पुदुचेरी का वार्षिक उत्सव है। यह 2 दिनों में पुदुचेरी में घूमने के लिए सबसे अच्छी जगहों में से एक है।

जवाहर टॉय म्यूजियम

पुदुचेरी में देखने के लिए अद्वितीय स्थानों में से एक, जवाहर टॉय म्यूजियम एक डॉल हाउस है, जिसमें विभिन्न भारतीय राज्यों से लाए गए 140 से अधिक डॉल हैं। जवाहर टॉय म्यूजियम मुख्य शहर में, पुराने प्रकाश स्तंभ पर स्थित है, जो गांधी मैदान के पास है। इस संग्रहालय में कुछ दुर्लभ सजावटी गुड़िया और खिलौने हैं। यह केवल बच्चों और स्कूल के छात्रों को ही नहीं, बल्कि हर आंगतुक को एक आनंदमय अनुभव प्रदान करते हैं।

चुन्नमबार बोट हाउस

पुदुचेरी के प्राचीन बैकवाटर पर नाव की सवारी करके आप यकीनन खुद को प्रकृति के करीब पाएंगे। चुन्नमबार बोट हाउस प्रकृति प्रेमियों के लिए यकीनन एक बेहतरीन जगह है, जहां पर आप न केवल नाव की सवारी कर सकते हैं, बल्कि आश्चर्यजनक प्राकृतिक स्थानों का भी लुत्फ उठा सकते हैं।

सीता कल्चरल सेंटर

पुदुचेरी में सीता कल्चरल सेंटर एक बहुत प्रसिद्ध फ्रेंको-भारतीय सांस्कृतिक केंद्र है और पुदुचेरी में घूमने के लिए कई स्थानों में से एक है। कैंडप्पा मुदलियार स्ट्रीट पर स्थित, यह पुदुचेरी के सबसे बेहतरीन पर्यटक आकर्षणों में से एक है। यहां पर इंडियन कुकिंग, कोलम लर्निंग, आयुर्वेदिक मेडिसिन, योगा, पिलेट्स, और तमिल भाषा से, विभिन्न दिलचस्प मल्टीपल और सिंगल सेशन क्लास हैं।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इंडोनेशिया में भूकंप के बाद इमारतें हुईं बर्बाद

जकार्ता । इंडोनेशिया के पूर्वी प्रांत मालुकु में आए 7.5 तीव्रता के भूकंप के बाद 100 से अधिक घर और अन्य इमारतें नष्ट हो गईं। एक अधिकारी और मौसम एजेंसी ने यह जानकारी दी। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी के प्रवक्ता अब्दुल मुहरी के मुताबिक भूकंप से सबसे ज्यादा नुकसान केपुलुआन तनिंबर जिले में हुआ है जहां भूकंप से 92 घर एक कार्यालय भवन और एक स्कूल की इमारत क्षतिग्रस्त हुई है। प्रवक्ता ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि भूकंप से मलूकु बरत दया जिले में 32 घर और दो शिक्षा सुविधाएं नष्ट हो गईं। हालांकि निवासियों को घर छोड़ने के लिए मजबूर नहीं होना पड़ा क्योंकि केवल एक व्यक्ति को चोट लगी। उन्होंने कहा कि आपातकालीन राहत प्रयासों को तैयार करने के लिए एक समन्वय बैठक आयोजित की गई थी जिसमें चावल कंबल टेंट दवाएं और अन्य सहायता के वितरण की तैयारी शामिल थी।

मौसम एजेंसी ने सुनामी की चेतावनी जारी की

मीडिया के अनुसार देश की मौसम विज्ञान जलवायु विज्ञान और भूभौतिकी एजेंसी का कहना है कि भूकंप का केंद्र केपुलुआन तनिंबर जिले के उत्तर-पश्चिम में 148 किलोमीटर की दूरी पर और समुद्र तल के नीचे 131 किलोमीटर की गहराई में स्थित था। मौसम एजेंसी के अनुसार मुख्य झटके के बाद कमजोर से मध्यम स्तर के तीन झटके महसूस किए गए। मौसम एजेंसी ने प्रांत और निकटवर्ती दक्षिण पूर्व सुलावेसी प्रांत के लिए सुनामी की चेतावनी जारी की है।

चीन में कोरोना का कोहराम : श्मशान के बाहर लगी लाशों की लंबी कतारें

-आसमान छू रहे कब्र के रेट

बीजिंग । चीन में कोरोना का कोहराम मचा हुआ है। श्मशान के बाहर लाशों की लंबी कतारें लग रही हैं। कोविड के कारण चीन में मरने वाले लोगों की संख्या बढ़ रही है। हालात ये हैं कि अब कब्र की भी कमी होने लगी है। श्मशान स्थलों पर लंबी कतारें लगी हुई हैं। शवगृह में लाशों को रखने के लिए जगह नहीं बची है। देश के अलग-अलग राज्यों से सैकड़ों वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। सरकार कोविड को कंट्रोल करने में पूरी तरह असफल साबित हुई है। चीन के लियाओनिंग प्रांत शेनयांग शहर के हालात बद से बदतर हो चुके हैं। यहां मरने वालों की संख्या में भारी इजाफा हो रहा है। शव के अंतिम संस्कार के लिए लंबी लाइनें लगी हुई हैं। श्मशान घर के बाहर लाशों के ढेर लगे हुए हैं। कब्र के रेट भी आसमान छू रहे हैं। यहां एक समुदाय के लोगों में विशेष शेप की कब्र की मांग अचानक बढ़ गई है। इन कब्रों का साइज काफी छोटा है। इसके बावजूद यह कब्र 20 से 30 हजार युआन (चीनी मुद्रा) में बिक रही है।

शव रखने की नहीं बची जगह

चीन के शेनयांग शहर में हालात का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि वहां अंतिम संस्कार के लिए लाशों से रूम भरे हुए हैं। अंतिम संस्कार के लिए लोगों को अपनी बारी का इंतजार करना पड़ रहा है। शेयनांग में श्मशान घरों में काम करने वाले लोग बुरी तरह थक चुके हैं। सोशल मीडिया में वायरल एक वीडियो में चारों तरफ शवों के ताबूत रखे हुए दिखाई दे रहे हैं।

चीन के तीखे रुख से निपटना अमेरिका की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा प्राथमिकता होगी

वाशिंगटन । अमेरिकी कांग्रेस के निचले सदन हाउस ऑफ रिप्रेजेन्टेटिव्स की शक्तिशाली मानी जाने वाली विदेश मामलों की समिति के नए अध्यक्ष मिच मैककॉल ने कहा कि चीन के तीखे रुख से निपटना नई कांग्रेस की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा प्राथमिकता होगी। मैककॉल ने कहा चीनी कम्युनिस्ट पार्टी का मुकाबला करने वाली यह कांग्रेस हमारी सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा प्राथमिकता बनी रहेगी और हमें अंततः इस प्रशासन से जवाब मिलेगा कि अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी इतनी बड़ी आपदा क्यों थी?'' मैककॉल को विदेश मामलों की समिति का अध्यक्ष चुना गया था। इससे पहले वह समिति के एक रैंकिंग सदस्य थे। मैककॉल ने कहा यह समिति हमारे देश और हमारे सहयोगियों द्वारा वैश्विक मंच पर सामना की जाने वाली कई चुनौतियों से बचाने के लिए कठोर निरीक्षण करने और सार्थक कानून पारित करने पर केंद्रित होगी।

अफगानिस्तान में चीन को मिला बड़ा तेल प्रोजेक्ट भारत कुछ कारणों से प्रोजेक्ट को शुरु करने में हिचक रहा

-तालिबानी हुक्मरानों की भारत अफगानिस्तान में बड़ा निवेश करे

काबुल । अफगानिस्तान में सत्ता हासिल करने के बाद भी भारत ने तालिबानी सरकार को मान्यता नहीं दी है। इसके बावजूद तालिबान ने भारत को निवेश का निमंत्रण दिया है। तालिबान निवेश की गुहार लगा रहा है। तालिबान के हुक्मरानों की ओर से भी भारत से प्रोजेक्ट फिर से शुरू करने की बात हो रही। भारत की बात करे तब पिछले दो दशक में अफगानिस्तान में 22 हजार करोड़ से ज्यादा का निवेश किया है। तमाम परियोजनाओं में पैसा लगाया। तालिबान ने मदद की गुहार लगाते हुए भारत से कहा है कि वहां निवेश करे और नई इंफ्रास्ट्रक्चर की परियोजनाओं को शुरू करे। तालिबान का ये फैसला चौंकाने वाला है। जिसके पीछे की वजह है कि भारत के तालिबान के साथ अभी तक कोई औपचारिक रिश्ते नहीं हैं। अफगानिस्तान में भारत और चीन के बीच नया बवाल शुरू हो गया है। अफगानिस्तान प्राकृतिक संसाधनों का भंडार है। तालिबान चाहता है कि भारत अफगानिस्तान में आए। लेकिन भारत के आने से पहले चीन ने अफगानिस्तान में एक बड़ा प्रोजेक्ट हथिया लिया है। चीन ने अफगानिस्तान में तेल खनन का एक बड़ा ठेका हथिया लिया है। ये सौदा 25 साल की अवधि के लिए हुआ है। चीन ने दोनों देशों के लिए एक अहम प्रोजेक्ट बताया है। दोनों देशों ने उत्तरी अमु दरिया बेसिन से तेल निकालने के लिए अपने पहले अंतरराष्ट्रीय अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद ये पहला सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय समझौता है। अफगानिस्तान में चीनी राजदूत वांग यू और तालिबान के उप प्रधानमंत्री मुल्ला अब्दुल गनी बरादर की उपस्थिति में काबुल में चाइना नेशनल पेट्रोलियम कॉरपोरेशन की एक सहायक कंपनी के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। बता दें कि कुछ वजहों के कारण भारत अफगानिस्तान में जाने से हिचक रहा है।

नहीं बदली स्थिति पासपोर्ट रैंकिंग में सोमालिया से भी पीछे आया पाकिस्तान भारत ने हासिल की बढ़त

लंदन । हाल ही में जारी की गई पासपोर्ट इंडेक्स की नई रैंकिंग के मुताबिक पाकिस्तान दुनिया का चौथा सबसे खराब पासपोर्ट है। 2022 में आई रैंकिंग में पाकिस्तान की स्थिति में किसी भी तरह का बदलाव नहीं हुआ है। पिछले साल भी यह दुनिया का चौथा सबसे खराब पासपोर्ट था। इस साल पाकिस्तान की रैंकिंग 106 है। इस रैंकिंग में दुनिया भर के देशों के पासपोर्ट की ताकत दिखाई गई है। इस सूची में 199 पासपोर्ट शामिल किए गए हैं। कई देश एक ही रैंक पर हैं इसलिए रैंकिंग 109 तक जारी की गई है। पाकिस्तानी पासपोर्ट रखने वाले 32 देशों में वीजा फ्री या वीजा ऑन अराइवल के जरिए यात्रा कर सकते हैं। पाकिस्तान से नीचे सीरिया इराक और अफगानिस्तान हैं। भारत के रैंकिंग की बात करें तो पिछले साल यह 87 नंबर पर था। लेकिन इस बार इसकी रैंकिंग में सुधार हुआ है और यह 85वें नंबर पर है। भारतीय पासपोर्ट के जरिए 59 देशों में वीजा फ्री या वीजा ऑन अरावइल के जरिए यात्रा की जा सकती है। रिपोर्ट के मुताबिका जापान का पासपोर्ट दुनिया में सबसे ताकतवर है। इस पासपोर्ट को रखने वाले लोग 193 देशों की वीजा फ्री या वीजा ऑन अराइवल के जरिए यात्रा कर सकते हैं। इस सूची में टॉप तीन देशों में एशियाई देश शामिल हैं। जापान के बाद सिंगापुर और दक्षिण कोरिया हैं जिसके पासपोर्ट धारक 192 देशों की आसानी से यात्रा कर सकते हैं। तीन एशियाई देशों के बाद ज्यादातर यूरोपीय देशों के पासपोर्ट सबसे ताकतवर हैं। जर्मनी और स्पेन के पासपोर्ट धारक 190 देशों की यात्रा आसानी से कर सकते हैं। इसके बाद लक्ज़मबर्ग इटली और फिनलैंड हैं जिसके पासपोर्ट से 189 देशों में बिना वीजा जाया जा सकता है। पांचवें नंबर पर डेनमार्क स्वीडन ऑस्ट्रिया और नीदरलैंड्स हैं। वहीं फ्रांस आयरलैंड पुर्तगाल और यूके छठे नंबर पर हैं।

बेल्जियम में नाटो मुख्यालय में यूरोपीय काउंसिल के प्रेसीडेंट चार्ल्स माइकल नाटो महासचिव जेंस स्टोटेलनबर्ग व यूरोपीय यूनियन के प्रेसीडेंट उर्सुला वांडर लियोन मीडिया को संबोधित करते हुए।

कंगाल पाकिस्तान में आटे को लेकर हाहाकर कीमत 160 रुपये प्रतिकिलो के पार

इस्लामाबाद । पाकिस्तान में आटे को लेकर शुरू हुआ बवाल थम नहीं रहा है। धीरे-धीरे पाकिस्तान के कई क्षेत्रों में आटे के लिए भारी भीड़ जुट रही है इसके लिए लोग आपस में लड़ रहे हैं। आटे की किल्लत ऐसी है कि कई लोग घायल हो चुके हैं। पाकिस्तान से आ रही तस्वीरें दुनिया के सामने उसका असली चेहरा दिखाने के लिए काफी हैं। इससे ये भी पता चल रहा है कि कैसे एक देश आतंक पर पैसा खर्च करता है और आतंक को पालता है। लेकिन अपने नागरिकों के लिए दो वक्त की रोटी का इंतजाम नहीं कर सकता है। आतंकियों को पालन वाले पाकिस्तान की जनता आत्महत्या की बात कर रही है। 10 किलो आटे की बोरी का दाम 3100 रुपए पहुंच चुका है। लोगों को दैनिक उपयोग की वस्तुओं की एक-एक बोरी लेने के लिए मशक्कत करनी पड़ रही है। हजारों लोग रोजाना घंटों आटे की थैलियों को प्राप्त करने में व्यतीत करते हैं जिनकी बाजार में आपूर्ति पहले से ही कम है। रिपोर्ट के मुताबिक कराची में आटा 160 रुपये किलो बिक रहा है। हालांकि इस्लामाबाद और पेशावर में 10 किलो आटे का बैग 1500 रुपये प्रति किलो बिक रहा है। दूसरी ओर सूबे में गेहूं का आटा 150 पाकिस्तानी रुपये प्रति किलो तक चढ़ गया। 150 रुपये की बढ़ोतरी के बाद 15 किलो आटे की थैली अब 2050 रुपये में बिक रही है। ऐसा ही खैबर पख्तूनख्वा के मामले में है जहां 3000 पीकेआर प्रति बैग की रिकॉर्ड कीमत पर भी 20 किलो आटा बैग कम आपूर्ति में है। अभी तक सिर्फ दो हफ्ते में 15 किलो आटे की थैली की कीमत में 300 रुपये की तेजी देखी जा चुकी है. जबकि खुले बाजार में कीमतें अपरिवर्तित रहती हैं। तंदूरी रोटी और नान की कीमत भी एक साल पहले की तुलना में लगभग दोगुनी हो गई है।

अफगानिस्तान के साथ अच्छे संबंध बनाए पाक नहीं तो छिड़ जाएगी कभी न खत्म होने वाली जंग : इमरान

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान में तहरीक ए तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने आतंक मचा रखा है। इस बीच पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान अपनी ही सरकार के खिलाफ मैदान में उतर आए हैं। इमरान खान ने शहबाज शरीफ सरकार पर तालिबान के नेतृत्व वाले अफगान प्रशासन के खिलाफ गैरजिम्मेदाराना बयान देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पड़ोसी देश के साथ सहयोग और बातचीत पर जोर दिया जाना चाहिए। पाकिस्तान लगातार आरोप लगा रहा है कि अफगान प्रशासन टीटीपी आतंकियों को शरण दे रहा है। टीटीपी आतंकियों को शरण देकर तालिबान अपने उस वादे को तोड़ रहा है जिसमें उसने कहा था कि वह आतंकियों को अपनी जमीन का इस्तेमाल नहीं करने देगा।

टीटीपी ने नवंबर 2022 के आखिरी हफ्ते में पाकिस्तान के साथ चल रहे सीजफायर को खत्म कर दिया था। इसके साथ उसने पूरे देश में कई आतंकी हमले किए हैं जिसमें कई लोग मारे गए और सैकड़ों घायल हो चुके हैं। इमरान खान ने एक

सेमिनार को संबोधित करते हुए कहा मंत्री गैर जिम्मेदाराना बयान दे रहे हैं कि अगर अफगान सरकार मदद नहीं करेगी तो वह अफगानिस्तान पर हमला कर देंगे। अगर ऐसा हुआ तो हम एक ऐसा युद्ध लड़ेंगे जिसे कभी खत्म नहीं किया जा सकेगा।

रिपोर्ट्स के मुताबिक पाकिस्तान के गृह मंत्री राणा सनाउल्ला ने अफगानिस्तान में टीटीपी के ठिकानों पर हमले की बात कही थी। प्रधानमंत्री रहने के दौरान इमरान खान लगातार दुनिया में तालिबान की वकालत करते रहे हैं। उन्होंने दुनिया के कई बड़े मंचों पर तालिबान को अलग-थलग न करने को कहा। उनका कहना था कि इससे दुष्परिणाम सिर्फ क्षेत्रीय ही नहीं बल्कि वैश्विक भी होंगे। पीटीआई प्रमुख ने कहा कि गठबंधन सरकार अफगानिस्तान के अपने समकक्षों से बातचीत पर ध्यान नहीं दे रही है। बिलावल भुट्टो की पहली यात्रा अफगानिस्तान में होनी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि सैन्य अभियान से कोई फल नहीं मिलता है।

उन्होंने फिर दोहराया कि पाकिस्तान को आतंकी गतिविधियों से बचने के लिए तालिबान के साथ जुड़ना चाहिए। उन्होंने बढ़ती आतंकी घटनाओं के लिए शहबाज शरीफ सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा वर्तमान सरकार में लोग सिर्फ अपने ऊपर लगे मुकदमों को खत्म करने पर फोकस कर रहे हैं। सरकार की नीतियों के कारण ही आतंकी घटनाओं में बढ़ोतरी हुई है। मैं पहले भी कह चुका हूं कि अगर आप अर्थव्यवस्था नहीं संभाल सकते तो आतंकवाद भी नहीं संभाल सकते। उन्होंने कहा पुलिस के पास जो हथियार हैं उससे आतंकियों से नहीं लड़ा जा सकता। अमेरिका जो हथियार छोड़ कर गया था आतंकी उससे लैस हैं।

यूएस में एयर मिशन सिस्टम फेल होने से सभी उड़ानें ठप, फेडरल एविएशन मिनिस्ट्री ने दी जानकारी

वाशिंगटन। (एजेंसी)। अमेरिका में एयर मिशन सिस्टम फेल होने से सभी उड़ानें ठप हो गई है। फेडरल एविएशन मिनिस्ट्री ने ये जानकारी दी है। एयर मिशन सिस्टम को ठीक करने की कोशिश की जा रही है। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन ने कहा कि कंप्यूटर आउटेज होने के बाद 11 जनवरी की सुबह संयुक्त राज्य अमेरिका में उड़ानें प्रभावित हुईं। स्थिति की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने एनबीसी न्यूज को बताया कि इस घटना के बाद अमेरिका में सभी उड़ानें रद्द कर दी गईं। एफएए ने अपनी वेबसाइट पर एक नोटिस में कहा कि उसका नोटिस टू एयर मिशन (नोटम) सिस्टम बुधवार सुबह 'विफल' हो गया। नोटम एक प्रकार का नोटिस है जिसमें उड़ान संचालन में शामिल कर्मचारियों के लिए आवश्यक जानकारी होती है।

तकनीशियन वर्तमान में सिस्टम को बहाल करने के लिए काम कर रहे हैं और इस समय सेवा की बहाली का कोई अनुमान नहीं है। ऑनलाइन फ्लाइट ट्रैकर फ्लाइटअवेयर के अनुसार, बुधवार सुबह करीब 6ः30 बजे तक अमेरिका के भीतर और बाहर लगभग 760 उड़ानें देरी से चल रही थीं। लगभग 90 उड़ानें रद्द के रूप में सूचीबद्ध की गईं। एफएए ने एक बयान में कहा, 'राष्ट्रीय हवाई क्षेत्र प्रणाली में संचालन प्रभावित होता है।

हिंद-प्रशांत और चीनी आक्रामकता पर चर्चा के लिए अमेरिका-जापान करेंगे बैठक

वाशिंगटन। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के मुख्यालय पेंटागन ने कहा कि 2023 में अमेरिका-जापान सुरक्षा सलाहकार समिति की बैठक की सह-अध्यक्षता दोनों देशों के विदेश और रक्षा मंत्रियों द्वारा की जाएगी। इस दौरान हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा चुनौतियों और चीनी आक्रामकता सहित अन्य मुद्दों पर चर्चा होगी। पेंटागन के प्रेस सचिव जनरल पैट राइडर ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, '' नेता एक आधुनिक गठबंधन के हमारे साझा दृष्टिकोण पर चर्चा करेंगे जो हिंद-प्रशांत और दुनिया भर में 21वीं सदी की चुनौतियों से निपटेगा।'' अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन और विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकेन अपने जापानी समकक्षों रक्षा मंत्री हमादा यासुकाज़ु तथा विदेश मंत्री हयाशी योशिमासा के साथ यहां 2023 यूएस-जापान सुरक्षा सलाहकार समिति की बैठक की सह-मेजबानी करेंगे। राइडर ने एक सवाल के जवाब में कहा, '' चीन निश्चित रूप से इस सप्ताह परामर्श बैठकों के दौरान हमारे जापानी सहयोगियों के साथ चर्चा का विषय होगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन को हैरान उनके एक निजी कार्यालय में कुछ गोपनीय दस्तावेज मिले

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा है कि उन्हें यह जानकर हैरानी हुई कि उनके एक निजी कार्यालय में कुछ गोपनीय दस्तावेज मिले हैं जिनका इस्तेमाल उन्होंने कभी 'वाशिंगटन थिंक टैंक' कार्यालय के रूप में किया था। उन्होंने कहा कि वह इन दस्तावेजों की समीक्षा में ''पूरी तरह से सहयोग' करुंगा। मैक्सिको के राष्ट्रपति लोपेज ओब्रेडोर और कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में बाइडन ने कहा कि उन्हें नहीं पता था कि उपराष्ट्रपति के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान के सरकारी रिकॉर्ड उनके 'थिंक टैंक कार्यालय ले जाए गए थे। बाइडन ने 2017 के मध्य से समय-समय पर इस कार्यालय का उपयोग किया। तत्कालीन राष्ट्रपति बराक ओबामा के कार्यकाल के दौरान उपराष्ट्रपति के रूप में कार्यकाल समाप्त होने के बाद 2020 के राष्ट्रपति अभियान की शुरुआत तक उन्होंने इस जगह का इस्तेमाल किया। बाइडन ने कहा ''लोग जानते हैं कि मैं गोपनीय दस्तावेजों या गोपनीय सूचनाओं को गंभीरता से लेता हूं। जब मेरे वकील पेन्सिलवेनिया विश्वविद्यालय में मेरे कार्यालय में दस्तावेजों को देख रहे थे तब उन्होंने मेरे लिए कैपिटल में एक सुरक्षित कार्यालय स्थापित किया था। उपराष्ट्रपति के कार्यकाल के बाद चार साल तक मैं पेन में प्रोफेसर था।''

तीनों नेता 10वें उत्तर अमेरिकी नेताओं के शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए मैक्सिको सिटी में हैं। एक दिन पहले व्हाइट हाउस ने कहा था कि न्याय विभाग यहां बाइडन के थिंक-टैंक कार्यालय में पाए गए पिछले ओबामा-बाइडन प्रशासन के ''कुछ गोपनीय दस्तावेजों'' की समीक्षा कर रहा है।

यूक्रेन-रुस जंग में 'महाभारत' काल वाला नजारा!

- तीर-धनुष चलाते दिखें पुतिन के सैनिक, क्या खत्म हो गए हथियार?

कीव (एजेंसी)। बीआर चोपड़ा के निर्देशन में बनी महाभारत का वो दृश्य जिसमें योद्धा अपना सधा हुआ बड़े से बड़ा अस्त्र छोड़ता था और सामने वाला योद्धा उसकी काट में अपना अस्त्र। दोनों आसमान में जाकर एक दूसरे से टकराते। ज्यादा मारक वाले अस्त्र सामने वाले के अस्त्र को नष्ट कर देता। लेकिन ऐसा ही कुछ नजारा रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच देखने को मिल रहा है। यूक्रेन में चल रहे युद्ध के बीच एक रूसी सैनिक की तीर-कमान लिए हुए एक तस्वीर ऑनलाइन वायरल हो रही है और इंटरनेट यूजर्स इसका मजाक उड़ा रहे हैं। छवियों को ट्विटर पर एंटोन गेराशचेंको द्वारा साझा किया गया, जो यूक्रेन के आंतरिक मामलों के मंत्री के सलाहकार हैं।

गेराशचेंको ने ट्वीट करते हुए कहा कि यूक्रेन में युद्ध के दौरान बश्किरिया के एक रूसी सैनिक की तस्वीर रूसी टेलीग्राम चैनलों द्वारा साझा की गई है। वह धनुष और बाण से लैस है। जरूरत पड़ने पर उसके पास राइफल भी है। क्या कहीं घुड़सवारी चल रही है? तस्वीरों में रूसी सैनिक एक खाली मैदान में खड़े होकर आकाश में एक तीर का निशाना बनाते हुए दिखाई दे रहा है, जिसकी पीठ पर एक राइफल बंधी हुई है। उसके दाहिनी ओर तीरों का तरकश है, और उसके हेलमेट के पीछे से लोमड़ी की पूंछ उभरी हुई प्रतीत होती है।

तस्वीरें शेयर किए जाने के बाद कई इंटरनेट उपयोगकर्ताओं ने सैनिक की पसंद के हथियार का मजाक उड़ाया। इस पर सोशल मीडिया यूजर्स ने मजाक उड़ाते हुए जवाब दिया कि रूस के पास तो 21वीं सदी के सबसे अच्छे हथियार हैं। जेम्स कैमरन द्वारा निर्देशित साइंस फिक्शन फिल्मों का जिक्र करते हुए एक यूजर ने लिखा कि ऐसा अवतार फिल्म में कई बार देखने को मिला। न्यूजवीक के मुताबिक, ये तस्वीरें सबसे पहले नवंबर में टेलीग्राम पर प्रसारित होने लगीं। उस समय सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी सामने आया था, जिसमें उसी सैनिक को तीन तक गिनने के बाद तीर चलाते हुए दिखाया गया था।

पेंटागन ने कहा- अमेरिका के भारत के साथ रक्षा संबंध बेहद महत्वपूर्ण

वाशिंगटन । अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के मुख्यालय पेंटागन ने मंगलवार को कहा कि अमेरिका के भारत के साथ रक्षा संबंध बेहद महत्वपूर्ण हैं। पेंटागन के प्रेस सचिव जनरल पैट राइडर ने मीडिया के कहा कि जब सुरक्षा सहयोग रक्षा सहयोग की बात आती है तो भारत-अमेरिका के बीच संबंध बेहद अहम हो जाता है। इसलिए हम भारतीय नेतृत्व के साथ जुड़ना जारी रखने की उम्मीद करते हैं। एक सवाल के जवाब में राइडर ने कहा कि जब हमारे पास घोषणा करने के लिए कुछ होगा तो निश्चित रूप से हम करेंगे लेकिन हम पहले से ही 'क्वाड' (भारत अमेरिका ऑस्ट्रेलिया और जापान के समूह) जैसे तंत्र के माध्यम से जुड़े हैं और कई मोर्चों पर सहयोग में शामिल हैं। इसलिए हम 2023 में ऐसा करना जारी रखने के लिए तत्पर हैं।

'दोस्ताना' संबंध होने के बावजूद मोरक्को ने अपने साथी पाकिस्तान के बजाए भारत पर किया भरोसा, अपनी सेना को मजबूती देने के लिए भारत से की ये डिफेंस डील

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पिछले साल इजरायल के साथ मिसाइल डिफेंस सिस्टम खरीदने वाला मुस्लिम देश मोरक्को अब भारत के साथ डिफेंस डील को लेकर सुर्खियों में है। वैसे तो मोरक्को और पाकिस्तान की दोस्ती किसी से छिपी नहीं है। बीते दिनों फीफा विश्व कप के दौरान मोरक्को की जीत पर पाकिस्तान फूला नहीं समाया और इसे इस्लान की जीत तक बताया। लेकिन पाकिस्तान के साथ अपनी मित्रता को दरकिनार करते हुए जब बात देश की सेना को मजबूती देने की आई तो उसने ऑल टाइम फेवरेट भारत पर ही भरोसा जताया। रॉयल मोरक्कन आर्मी ने भारत के टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स से लगभग 100 छह पहियों वाले सैन्य ट्रकों की डिलीवरी ली है। भारतीय रक्षा अनुसंधान विंग द्वारा साझा की गई एक तस्वीर में कई एलपीटीए 244 6*6 ट्रक भारत के पश्चिमी तट के पोर्ट पिपावाव से मोरक्को को निर्यात किए जाने के लिए तैयार हो रहे थे। मोरक्को की सेना ने भी निर्यात की पुष्टि करते हुए ट्विटर पर कहा कि वाहन 'डिलीवरी के रास्ते में हैं।

एलपीटीए 2445 को कई कवच उन्नयन के लिए उपयुक्त 'अत्यधिक मोबाइल, सभी इलाके' सैन्य वाहन के रूप में वर्णित किया गया है। इसमें एक सैन्य कैब है और इसे मल्टी-बैरल रॉकेट लॉन्चर, एक मिसाइल फायरिंग यूनिट, एक मिसाइल सर्विस व्हीकल और एक कॉमन गन टावर के साथ फिट किया जा सकता है। इसका उपयोग सैन्य कर्मियों के परिवहन के लिए भी किया जा सकता है और एक मध्यम रिकवरी वाहन के रूप में काम कर सकता है। रॉयल मोरक्कन आर्मी के भीतर वाहन का अपेक्षित प्राथमिक कार्य गोला-बारूद के पैलेट, वाहन के पुर्जों और अन्य परिचालन उपकरणों का परिवहन है।

रक्षा खरीद में विविधता लाना

92 एलपीटीए 244 6*6 ट्रकों का अधिग्रहण मोरक्को की अपनी सेना को आधुनिक बनाने के लिए अपनी रक्षा खरीद में विविधता लाने के प्रयासों का हिस्सा है। पिछले साल, देश ने अपने एफ16एस की मारक क्षमता और मिशन लचीलेपन को उन्नत करने के लिए L3Harris Technologies के साथ एक समझौता किया। सेना ने फ्रांस से 36 सीज़र आर्टिलरी सिस्टम के अपने पहले बैच की डिलीवरी भी ली। हथियार कथित तौर पर अफ्रीकी राष्ट्र की त्वरित तैनाती बल अग्नि समर्थन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए आवश्यक घटकों से लैस हैं।

कुपवाड़ा में बर्फ में फिसलकर खाई में गिरा सेना का वाहन 3 जवान शहीद

जम्मू । जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के माछिल सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास एक गश्त के दौरान सेना के 3 जवान गहरी खाई में गिर गए। इस हादसे में तीनों जवान शहीद गए। तीनों जवानों के पार्थिव शरीरों को खाई से निकाल लिया गया है। सेना ने बताया कि शहीद होने वाले तीनों जवानों में 01 जेसीओ (जूनियर कमीशंड ऑफिसर) और 02 ओआर शामिल हैं। बताया जाता है कि जिस इलाके में ये जवान खाई में गिरे वह बर्फीला इलाका है। चिनार कॉर्प्स भारतीय सेना ने बयान जारी कर बताया कि एक रेगुलर ऑपरेशन टास्क के दौरान 1 जेसीओ (जूनियर कमीशंड ऑफिसर) और 2 ओआर (अन्य रैंक) का एक दल ट्रैक पर बर्फ गिरने के बाद गहरी खाई में फिसल गया। तीनों जवानों के पार्थिव शरीर को निकाल लिया गया है। आगे की कार्रवाई की जा रही है। इससे पहले बीते नवंबर महीने में भी कुपवाड़ा के माछिल सेक्टर में ऐसा ही हादसा हुआ था। जिसमें हिमस्खलन की चपेट में आने से तीन जवान शहीद हुए थे। कुपवाड़ा पुलिस ने बताया था कि अल्मोड़ा चौकी के पास हिमस्खलन की चपेट में आने से 56 आरआर के 3 जवान ड्यूटी के दौरान शहीद हो गए। सभी शवों को निकाल लिया गया है। शहीद हुए जवानों के नाम सौविक हाजरा मुकेश कुमार और मनोज लक्ष्मण राव है। तीनों शवों को 168 एमएच द्रुगमुल्ला भेजा गया है। अधिकारियों ने बताया कि हादसा कुपवाड़ा सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास हुआ। जवानों का दल गश्त पर निकला था तभी बर्फ का बड़ा हिस्सा उन पर आकर गिर गया। तलाशी अभियान के बाद उन्हें ढूंढकर अस्पताल पहुंचाया गया। लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी।

बिहार में जातिगत जनगणना सुप्रीम कोर्ट 13 जनवरी को सुनवाई को तैयार

नई दिल्ली । बिहार में जातिगत जनगणना का मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया है। सुप्रीम कोर्ट राज्य में जाति आधारित जनगणना कराने की बिहार सरकार की अधिसूचना को चुनौती देने वाली याचिका पर तत्काल सुनवाई करने सहमत हो गया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि मामले की सुनवाई 13 जनवरी को होगी। बता दें कि जाति आधारित गणना बिहार सरकार के एजेंडे में शामिल हैं। राज्य में जाति जनगणना करने के लिए बिहार सरकार की 6 जनवरी 2022 की अधिसूचना को रद्द करने की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई है। याचिका सामाजिक कार्यकर्ता अखिलेश कुमार ने अधिवक्ता बरुन कुमार सिन्हा और अभिषेक के माध्यम से दायर की थी।

बीएसएफ ने बीते साल बंगाल सीमा से 1951 बांग्लादेशी घुसपैठियों और तस्करों को पकड़ा

नई दिल्ली । सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने बीते साल 2022 में बांग्लादेश सीमा पर करोड़ों के नशीले पदार्थों सहित 1951 बांग्लादेशी तस्करों और घुसपैठियों को पकड़ा है। बीएसएफ ने बताया दक्षिण बंगाल में भारत-बांग्लादेश सीमा देश की सबसे चुनौतीपूर्ण सीमाओं में से एक है। सीमा बहुत जटिल है क्योंकि यहां जनसंख्या सीमा के दोनों ओर आसपास रहती है और उनमें समान जातीय और सांस्कृतिक समानताएं भी हैं। बीएसएफ दक्षिण बंगाल फंटियर भारत-बांग्लादेश सीमा के साथ 913 किलोमीटर के क्षेत्र की रखवाली कर रहा है जिसमें 364 किलोमीटर नदी की सीमा और चारलैंड का विशाल क्षेत्र शामिल है। बीएसएफ के प्रवक्ता ने कहा दक्षिण बंगाल फंटियर ने परिचालन के मोर्चे पर ठोस प्रयास किए हैं और काफी हद तक तस्करी की गतिविधियों को रोकने में सक्षम रहा है। सन 2022 में दक्षिण बंगाल फंटियर के जवान भी बड़ी संख्या में घुसपैठियों को पकड़ने में सफल रहे हैं। बीएसएफ ने बताया कि जवानों ने बीते साल तस्करी और घुसपैठ रोकने के विभिन्न अभियानों में 1951 बंगलादेशी 936 भारतीय और 81 अन्य देशों के नागरिकों को पकड़ा है। इनमें 69 दलाल भी शामिल हैं। वहीं आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2022 के दौरान दक्षिण बंगाल फंटियर के जवानों ने तस्करी किए जा रहे 1175 मवेशियों को सफलतापूर्वक बचाया है। इसके अलावा प्रतिबंधित फेंसेडिल की 252291 बोतलें 2812 किलोग्राम गांजा 12562 नग याबा टैबलेट और 11312.408 ग्राम सोना भी बरामद किया है। बीएसएफ ने बताया भारत और बांग्लादेश की दोनों सीमा सुरक्षा बलों के बीच संबंध सौहार्दपूर्ण हैं और दोनों सेनाएं द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने के लिए अपने सर्वोत्तम प्रयास कर रही हैं। बीएसएफ और बीजीबी के बीच आपसी समझ और सहयोग ने शांति बनाए रखने के अलावा सीमा पर कई मुद्दों को हल करने में मदद की है।

किराएदार व नौकर बनकर छिपे हैं आतंकी

– पुलिस ने कहा– जल्द से जल्द किराएदारों की जानकारी दें मकान मालिक

श्रीनगर । जम्मू प्रशासन ने मकान मालिकों को निर्देश दिया है कि वे अपने किराएदारों और घरेलू सहायकों का विवरण संबंधित पुलिस थाने में जमा कराएं। यह कदम जम्मू में सामने आई उन कई घटनाओं के बाद आया है जिसमें राष्ट्रविरोधी तत्वों ने किरायेदारों और घरेलू सहायकों की आड़ में आवासीय क्षेत्रों में छिपने का प्रयास किया। जम्मू की जिलाधिकारी अवनी लवासा द्वारा मंगलवार को जारी एक आदेश में कहा गया है कि मकान मालिक आदेश जारी होने के तीन दिनों के भीतर विवरण प्रस्तुत करेंगे। आदेश में कहा गया है कि मकान मालिक और किरायेदार दोनों द्वारा हस्ताक्षरित घोषणा-पत्र के अनुसार सभी मकान मालिक इस आदेश के जारी होने के बाद तीन दिनों के भीतर किराएदारों के विस्तृत विवरणों को संबंधित थाने में व्यक्तिगत रूप से या संबंधित थाना प्रभारी अधिकारी को संबोधित पंजीकृत डाक द्वारा जमा कराएंगे। इसमें कहा गया है कि जम्मू के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा लवासा के संज्ञान में लाए जाने के बाद यह कदम उठाया गया और ऐसी घटनाओं के बाद सत्यापन करने की तत्काल आवश्यकता है जहां राष्ट्र विरोधी और असामाजिक तत्व किराएदारों और घरेलू सहायकों की आड़ में आवासीय क्षेत्रों में छिपने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह आवश्यक है कि किराएदारों और घरेलू सहायकों को अपना परिसर किराए पर देने और उपलब्ध कराने से पहले मकान मालिकों और संपत्ति के मालिकों को जवाबदेह बनाने के लिए कुछ कदम उठाए जाएं।

गोवा में पेंट निर्माण संयंत्र में आग करीब 200 लोग घर छोड़कर गए

पणजी । गोवा में पणजी के पास औद्योगिक क्षेत्र में एक पेंट निर्माण संयंत्र में आग लगने के बाद धुएं की मोटी परत छाने के कारण पास में रहने वाले करीब 200 लोग अपना घर छोड़कर चले गए हैं। उत्तरी गोवा के जिलाधिकारी मामू हेगे ने बताया कि मंगलवार अपराह्न करीब ढाई बजे औद्योगिक इलाके में स्थित बर्जर बेकर कोटिंग्स फैक्टरी में आग लग गई। जिला प्रशासन ने बाद में एक परामर्श जारी किया जिसमें फैक्टरी के दो किलोमीटर के दायरे में रहने वाले लोगों को कहीं और स्थानांतरित होने के लिए कहा गया क्योंकि धुएं से स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। इस बीच मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मंगलवार रात फैक्टरी स्थल का दौरा किया। जिला प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बुधवार तड़के आग पर काबू पा लिया गया। अधिकारी ने कहा कि फैक्टरी के पास रहने वाले लगभग 200 लोग अपने आप कहीं और चले गए हैं। उन्होंने कहा ''सरकार को हस्तक्षेप करने की जरूरत नहीं पड़ी क्योंकि लोग खुद ही अपने रिश्तेदारों और दोस्तों के यहां चले गए।'

फिर विवादों में एयर इंडिया यात्री के खाने में मिले पत्थर

नई दिल्ली । पिछले दिनों में एयर इंडिया की फ्लाइट में यात्री द्वारा महिला सहयात्री पर पेशाब करने का मामला अभी शांत नहीं हुआ था कि एक और विवादित मामला सुर्खियों में आ गया है। खबर है कि एक यात्री ने टाटा के अधिकार वाली एयर लाइन कंपनी के विमान के खाने में पत्थर मिलने की शिकायत की है। इस शिकायत पर एयरलाइन ने माफी मांगी है। कंपनी ने कहा कि उसने घटना को गंभीरता से लिया है। खाने में पत्थर के लिए कैटर्स के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू होगी। जानकारी के मुताबिक एयर इंडिया विमान के खाने में पत्थर मिलने की शिकायत 8 जनवरी को एक महिला यात्री ने ट्विटर पर की थी। महिला यात्री ने कहा कि उसे एआई 215 में उड़ान के दौरान खाने में पत्थर मिला। महिला ने पत्थर मिलने की तस्वीरें भी साझा कीं। यह फ्लाइट दिल्ली से काठमांडू जा रही थी।

यह हम सबकी जिम्मेदारी लोकतान्त्रिक संस्थाओं के प्रति लोकआस्था को बरकरार रखें : बिरला

जयपुर (एजेंसी)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने न्यायपालिका को नसीहत देते हुए कहा है कि उसे अपने संवैधानिक अधिकारों का प्रयोग करते समय सभी संस्थाओं के बीच संविधान द्वारा प्रदत्त शक्तियों के पृथक्करण और संतुलन के सिद्धांत का पालन करना चाहिए। राजस्थान विधान सभा में आयोजित अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों के 83वें सम्मेलन के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि हमारे देश में विधान मंडलों ने न्यायपालिका की शक्तियों और अधिकारों का सदैव सम्मान किया है। उन्होंने कहा कि यह हम सबकी जिम्मेदारी है कि हम लोकतान्त्रिक संस्थाओं के प्रति लोकआस्था और विश्वास को बनाए रखें।

हमारे विधान मंडलों के पीठासीन अधिकारियों ने यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया है कि न्यायपालिका के साथ उनके संबंध संविधान की मर्यादा और भावना के अनुरूप रहें। इसके साथ ही न्यायपालिका से भी यह अपेक्षा की जाती है कि वह अपने संवैधानिक अधिकारों का प्रयोग करते समय सभी संस्थाओं के बीच संविधान द्वारा प्रदत्त शक्तियों के पृथक्करण और संतुलन के सिद्धांत का अनुपालन करे।

बिरला ने कहा विधायिका कार्यपालिका और न्यायपालिका- तीनों ही अपनी शक्तियां तथा क्षेत्राधिकार संविधान से प्राप्त करते हैं। प्रत्येक अंग को एक दूसरे का और क्षेत्राधिकार का ध्यान रखते हुए आपसी सामंजस्य विश्वास और सौहार्द के साथ कार्य करना चाहिए। बिरला ने देश भर से आए विभिन्न राज्यों के विधान सभाओं और विधान परिषदों के अध्यक्षों को संबोधित करने के दौरान भारत को मिली जी-20 की अध्यक्षता का जिक्र करते हुए कहा कि भारत विश्व भर में लोकतंत्र की जननी के रूप में जाना जाता है। लोकतंत्र की हमारी अवधारणा पश्चिम से नहीं ली गई है।

ऐतिहासिक प्रमाण है कि भारत में लोकतंत्र प्राचीन काल से विद्यमान है और विचारशील प्रतिनिधि निकाय और लोकतान्त्रिक संस्थाओं के साक्ष्य हमारे देश में मौजूद हैं। अपनी जी-20 ग्रुप की अध्यक्षता में भी भारत वैश्विक मंचों पर अपने प्राचीनतम लोकतंत्र एवं सांस्कृतिक विविधता के विषय को मजबूती से प्रस्तुत करेगा। जी-20 के साथ इन देशों की संसदों का पी-20 सम्मेलन भी हम आयोजित करने जा रहे हैं जिसमें हमें अपनी समृद्ध लोकतान्त्रिक विरासत को वैश्विक मंच पर प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा।

इसके साथ ही उन्होंने वर्तमान परिप्रेक्ष्य में संसद और विधान मंडलों को अधिक प्रभावी उत्तरदायी और उत्पादकतायुक्त बनाने की आवश्यकता पर भी जोर देते हुए कहा कि पीठासीन अधिकारी के रूप में हमारा दायित्व है कि हम विधान मंडलों में जनप्रतिनिधियों के माध्यम से नागरिकों की आशाओं अपेक्षाओं और उनके अभावों कठिनाइयों की अभिव्यक्ति होने का पर्याप्त अवसर दें।

बिरला ने कहा कि ऐसा देखा गया है कि आम जनमानस में विधायिकाओं एवं

जनप्रतिनिधियों के बारे में प्रश्न चिन्ह है। हमें इस प्रश्न चिन्ह को भी सुलझाना है और विधान मंडलों की इमेज और प्रोडक्टिविटी को और बेहतर बनाना है। विधान मंडलों में होने वाली चर्चा अधिक अनुशासित सारगर्भित और गरिमामयी होनी चाहिए। हमारी संसद और विधान सभाओं को अधिक प्रभावी जवाबदेह और उत्पादक बनाने के लिए हमारे सिस्टम में अधिकतम सूचना प्रौद्योगिकी को अपनाया जाना चाहिए। बदलते परिप्रेक्ष्य में संचार और सूचना प्रौद्योगिकी का प्रयोग हमारे राज्य विधान मंडलों ने किया है जिसके कारण हमारी सभाओं में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ी है। लेकिन इन माध्यमों के कारण जनता हमारे सदनों की कार्यवाही को देखती है जिससे इस संबंध में नकारात्मक चर्चा भी हुई है। अत–हम सबका दायित्व है कि हम लोकतान्त्रिक संस्थाओं के प्रति लोक आस्था और विश्वास को बढ़ाएं।

2014 के बाद से हम विकसित भारत के निर्माण के पथ पर आगे बढ़ रहे : पीएम मोदी

–हमारी सरकार ने नेशनल हाईवे के निर्माण की गति दोगुनी की

इंदौर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को मध्यप्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का उद्घाटन किया है। इस मौके पर पीएम मोदी ने दावा किया कि 2014 के बाद भारत सुधार परिवर्तन और प्रदर्शन के पथ पर अग्रसर है। वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम को संबोधित कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मध्य प्रदेश में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट उस समय में हो रही है जब भारत अमृत काल में प्रवेश कर चुका है। हम विकसित भारत के निर्माण के पथ पर आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में देश के दिल मध्य प्रदेश की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। भक्ति और अध्यात्म से पर्यटन तक और कृषि से शिक्षा और कौशल विकास तक एमपी अजब भी है गजब भी और सजग भी है। उन्होंने कहा कि जब हम विकसित भारत की बात करते हैं तब बात देशवासियों की आकांक्षा की ही

नहीं उनके संकल्प की भी होती है।

पीएम मोदी ने कहा कि भारत के विकास और अभूतपूर्व प्रगति को लेकर न केवल भारतीय बल्कि इस पूरी दुनिया का हर व्यक्ति और हर संगठन पूरी तरह आश्वस्त है। उन्होंने कहा कि एक स्थिर सरकार एक निर्णायक सरकार और सही नीयत से चलने वाली सरकार विकास को अभूतपूर्व गति देती है। देश के लिए हर जरूरी फैसले लेती है। बीते आठ वर्षों में हमने रिफॉर्म की गति और स्केल को लगातार बढ़ाया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि आईएमएफ भारत को वैश्विक अर्थव्यवस्था में एक उज्ज्वल स्थान के रूप में देखता है। विश्व बैंक का कहना है भारत किसी भी अन्य अर्थव्यवस्था की तुलना में वैश्विक विपरीत परिस्थितियों से निपटने के लिए बेहतर स्थिति में है। यह सब भारत के मजबूत मैक्रो-इकोनॉमिक फंडामेंटल की वजह से है। ओईसीडी का कहना है कि भारत इस साल जी-20 में दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि 8 वर्षों में हमारी सरकार ने नेशनल हाईवे के निर्माण की गति दोगुनी की है। इस दौरान भारत में ऑपरेशनल एयरपोर्ट्स की संख्या दोगुनी हो चुकी है। पीएम मोदी ने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था को ट्रैक करने वाली संस्थाओं और विश्वसनीय आवाजों का भारत में अभूतपूर्व विश्वास है। वैश्विक निवेशकों द्वारा भी यही आशावाद प्रदर्शित किया गया है। हाल के सर्वेक्षण के अनुसार अधिकांश निवेशक भारत को पसंद करते हैं और रिकॉर्ड एफडीआई इसका प्रमाण है।

भाजपा ने राहुल से कहा– कुछ दिन आरएसएस की शाखा में हिस्सा लें

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरियाणा के गृह मंत्री अनिल विज ने मंगलवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें कुछ दिन आरएसएस की शाखा में हिस्सा लेना चाहिए क्योंकि वह संगठन के बारे में कुछ नहीं जानते। राहुल गांधी ने एक दिन पहले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर निशाना साधा था। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि गांधी की टिप्पणी से कांग्रेस के नेता भी हैरान हैं। खट्टर ने कहा, ÷वह पप्पू ही हैं।÷ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता राहुल गांधी को निशाना बनाने के लिए अक्सर इस शब्द का इस्तेमाल करते हैं। राहुल गांधी ने 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान सोमवार को अम्बाला की एक नुक्कड़ सभा में आरएसएस सदस्यों को ÷21 वीं सदी का कौरव÷ कहा था। विज ने गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि वह गरीबों के बारे में बात कर रहे हैं, लेकिन अपनी यात्रा के दौरान पैलेस ऑन व्हील्स में सो रहे हैं। भाजपा नेता ने कहा, ÷उन्हें आरएसएस पर टिप्पणी करने का कोई अधिकार नहीं है, जिसके बारे में वह कुछ नहीं जानते।÷ उन्होंने कहा, ÷आज देश आरएसएस के दम पर खड़ा है।÷ उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को आरएसएस के बारे में जानने के लिए कुछ दिन आरएसएस की शाखा में जाना चाहिए।'' गांधी की टिप्पणी पर खट्टर ने पत्रकारों से कहा, ÷वह जिस तरह की टिप्पणी करते हैं, समझ नहीं आता कि वह किस दर्शन का पालन करते हैं...।÷ उन्होंने कहा, ÷कभी वह शिव भक्त बन जाते हैं और फिर पूछते हैं कि (हर हर महादेव) जयकारा कौन लगाता है। कभी वह पुजारियों को निशाना बनाने लगते हैं। कोई समझ नहीं पा रहा है कि उनकी दिशा क्या है... ऐसा नहीं है कि केवल हम ही हैरान हैं। कांग्रेस के लोग भी हैरान हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, ÷वैसे भी, वह पप्पू ही हैं।

राजौरी हमले के बाद जम्मू-कश्मीर में सीमाई इलाकों में रहने वाले हिंदुओं को आत्मरक्षा के लिए दिया जा रहा हथियारों का प्रशिक्षण

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले के डांगरी गांव में हाल में हुए आतंकवादी हमले के बाद जम्मू-कश्मीर में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के लिए सुरक्षा के कड़े प्रबंध तो किये ही जा रहे हैं साथ ही उन्हें हथियार चलाने का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है ताकि जरूरत पड़ने पर वह आत्मरक्षा कर सकें और संभावित हमलों को विफल कर सकें। ग्रामीण भी बड़े उत्साह के साथ इस प्रशिक्षण अभियान का हिस्सा बन रहे हैं।

हम आपको बता दें कि ग्रामीण इलाकों में रह रहे अल्पसंख्यक हिंदू परिवारों को हथियारों का प्रशिक्षण देने की नौबत इसलिए आई क्योंकि हाल ही में डांगरी गांव में औचक हमले ने सबको हिला कर रख दिया था। इस हमले में सात लोगों की मौत हो गयी थी और 14 अन्य घायल हो गए थे। इसके अलावा इसी सप्ताह राजौरी जिले के गांव मुरादपुर में को संदिग्ध घुसपैठिया एक ग्रामीण के घर में घुस गया। जब उस घर में रहने वाली लड़की ने शोर मचाया तो कौशल नामक ग्रामीण ने हवा में गोलियां चलाईं जिससे घुसपैठिया फरार हो गया। इसके अलावा सोमवार को जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में कुछ बदमाशों द्वारा हिंदुओं के घरों पर पथराव किया गया जिससे इलाके में दहशत फैल गयी थी।

हम आपको यह भी बता दें कि निगरानी बढ़ाने के उपायों के तहत जम्मू प्रशासन ने मकान मालिकों को निर्देश दिया है कि वे अपने किराएदारों और घरेलू सहायकों का विवरण संबंधित पुलिस थाने में जमा करायें। यह कदम जम्मू में सामने आई उन कई घटनाओं के बाद आया है जिसमें राष्ट्र-विरोधी तत्वों ने किरायेदारों और घरेलू सहायकों की आड़ में आवासीय क्षेत्रों में छिपने का प्रयास किया। जम्मू की जिलाधिकारी अवनी लवासा द्वारा जारी एक आदेश में कहा गया है कि मकान मालिक आदेश जारी होने के तीन दिनों के भीतर विवरण प्रस्तुत करेंगे।

आदेश में कहा गया है, ''मकान मालिक और किरायेदार दोनों द्वारा हस्ताक्षरित घोषणा पत्र के अनुसार, सभी मकान मालिक इस आदेश के जारी होने के बाद तीन दिनों के भीतर किरायेदारों के विस्तृत विवरणों को संबंधित थाने में व्यक्तिगत रूप से या संबंधित थाना प्रभारी अधिकारी को संबोधित पंजीकृत डाक द्वारा जमा कराएंगे।'' इसमें कहा गया है कि जम्मू के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा लवासा के संज्ञान में लाए जाने के बाद यह कदम उठाया गया और ऐसी घटनाओं के बाद सत्यापन करने की तत्काल आवश्यकता है जहां राष्ट्र विरोधी और असामाजिक तत्व किरायेदारों और घरेलू सहायकों की आड़ में आवासीय क्षेत्रों में छिपने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह आवश्यक है कि किरायेदारों और घरेलू सहायकों को अपना परिसर किराए पर देने और उपलब्ध कराने से पहले मकान मालिकों और संपत्ति के मालिकों को जवाबदेह बनाने के लिए कुछ कदम उठाए जाएं।

औवेसी ने पूछा मुसलमानों को भारत में रहने अनुमति देने वाले भागवत कौन होते हैं?

हैदराबाद (एजेंसी) एआईएमआईएम चीफ और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत के मुसलमानों को डरने की जरूरत नहीं वाले बयान पर पलटवार किया है। ओवैसी ने पूछा कि मुसलमानों को भारत में रहने या हमारे धर्म का पालन करने की अनुमति देने वाला भागवत कौन होते हैं? इतना ही नहीं ओवैसी ने कहा कि अल्लाह ने चाहा इसलिए हम भारतीय है। दरअसल भागवत ने हाल ही में मुसलमानों को लेकर एक बयान दिया था। भागवत ने कहा था कि भारतीय मुस्लिमों को डरने की बिल्कुल भी जरूरत नहीं है। इस्लाम को कोई भय नहीं है। लेकिन उन्हें अपनी श्रेष्ठता को लेकर बड़बोले बयानबाजी निश्चित ही छोड़ देनी चाहिए।

ओवैसी ने ट्वीट कर पूछा मोहन कौन हैं जो मुसलमानों को भारत में रहने या हमारे धर्म का पालन करने की अनुमति दें? हम भारतीय हैं क्योंकि अल्लाह ने चाहा हैं। उन्होंने हमारी नागरिकता पर शर्तें लगाने की हिम्मत कैसे की? हम भारत में अपने विश्वास को समायोजित या नागपुर में कथित ब्रह्मचारियों के समूह को खुश करने के लिए नहीं हैं। ओवैसी ने कहा चीन के लिए यह चोरी और साथी नागरिकों के लिए सीनाजोरी क्यों? यदि हम वास्तव में युद्ध में हैं तब क्या संघ सरकार 8 सालों से सो रही है? उन्होंने पूछा कि मोहन को हिन्दुओं का प्रतिनिधि किसने चुना? क्या वे 2024 में चुनाव लड़ रहे हैं? उनका स्वागत है। उन्होंने कहा कि इसतरह के बहुत से हिंदू हैं जो आरएसएस की बयानबाजी को भड़काऊ मानते हैं। इसके बाद में अल्पसंख्यक कैसा महसूस करते हैं यह दूर की बात है। ओवैसी ने पूछा कि पीएम मोदी दुनियाभर के देशों के मुस्लिम नेताओं को गले लगाते हैं। लेकिन उन्होंने भारत के एक भी मुस्लिम से गले मिलते नहीं देखा गया।

आज त्रिपुरा आकर 'जन विश्वास यात्रा का समापन करेंगे राष्ट्रीय अध्यक्ष नडडा

अगरतला (एजेंसी) त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने दावा किया कि राज्य में इस साल प्रस्तावित विधानसभा चुनावों से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की 'जन विश्वास यात्रा' को अभी तक 'बेहद शानदार प्रतिक्रिया' मिली है। सीएम ने बताया कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा 12 जनवरी को त्रिपुरा आकर पार्टी की आठ दिनों की इस यात्रा में हिस्सा लेने वाले हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पांच जनवरी को अगरतला में 'जन विश्वास यात्रा' की शुरुआत की थी। साहा ने कहा हमें उम्मीद के मुताबिक लोगों की जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। यात्रा के प्रति समर्थन जताने के लिए राज्य के नागरिक घरों से बाहर निकलकर शंख बजाते नजर आए। यहां त्यौहार जैसी स्थिति है। हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा 12 जनवरी को यात्रा के समापन के दिन इसमें शिरकत करने वाले हैं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि 'जन विश्वास यात्रा' इस त्रिपुरा में 'रथयात्रा' बताया जा रहा है गुरुवार को अगरतला के उमाकांत मैदान में समाप्त होगी जहां पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा एक जनसभा को भी संबोधित करने वाले हैं। उन्होंने कहा नड्डा जी 12 जनवरी को पूर्वाह्न 12 बजे एमबीबी हवाई अड्डे पर उतरने के बाद अगरतला के बाहरी इलाके में स्थित सीमावर्ती गांव लंकामुरा जाएंगे जहां वह स्थानीय लोगों से संवाद करने वाले हैं। वह इस बात का पता लगाएंगे कि इन लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है या नहीं। भाजपा के एक पदाधिकारी ने बताया कि नड्डा राज्य से रवाना होने से पहले त्रिपुरा में पार्टी की कोर समिति के साथ बैठक कर चुनावी रणनीति पर चर्चा होगी। साहा ने दावा किया कि 'जन विश्वास यात्रा' के खत्म होने तक भाजपा नेता और कार्यकर्ता 'चुनाव के लिए तैयार हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा उचित समय पर विधानसभा चुनाव के लिए अपना घोषणा पत्र जारी करेगी। किसी दल से गठबंधन की संभावनाओं के बारे में पूछने पर मुख्यमंत्री ने कहा फिलहाल सत्तारूढ़ गठबंधन के बाहर किसी भी दल से हाथ मिलाने की कोई योजना नहीं है लेकिन कभी भी कुछ भी हो सकता है क्योंकि हमारे दरवाजे हमेशा से ही सभी के लिए खुले रहे हैं।

हरियाणा में 1000 छोरों में 900 छोरियां लिंगानुपात घटने के डरावने आंकड़े

गुरुग्राम (एजेंसी) अपनी छोरियों को छोरों से कम न आंकने वाले राज्य हरियाण में फिर लिंगानुपात के डराने वाले आंकड़े सामने आए हैं। लिंगानुपात के लिए कुख्याता राज्य हरिणाया की स्थिति में सुधार नहीं आ रहा है। साल 2022 के आंकड़ों के अनुसार स्थिति और भी खराब नजर आ रही है जहां जन्म के समय प्रति 1000 पुरुषों की तुलना में महिलाओं की संख्या 900 से नीचे चली गई है।

साल 2022 में हरियाणा के पांच जिलों में जन्म के समय लिंगानुपात छह साल में पहली बार प्रति 1000 पुरुषों की तुलना में 900 महिलाओं से भी नीचे गिर गया है। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने इस तरह के आंकड़े को लिंग जांच के रैकेट्स को जिम्मेदार ठहराया है। हिसार (904) करनाल (903) कुरुक्षेत्र (893) फरीदाबाद (892) और रेवाड़ी (883) के 2022 में जन्म के समय लिंगानुपात में गिरावट दर्ज की गई है। जाहिर है यह मनोहर लाल खट्टर की सरकार के लिए खतरे की घंटी है।

रिपोर्ट में दिए आधिकारिक डेटा के मुताबिक हिसार करनाल फरीदाबाद झज्जर कुरुक्षेत्र और रेवाड़ी का जन्म के समय लिंगानुपात 2016-17 में दर्ज किए आंकड़ों से भी नीचे चले गए हैं जहां 2021 तक लगातार वृद्धि दर्ज की गई थी। मिसाल के तौर पर कुरुक्षेत्र में जन्म के समय लिंगानुपात 2017-18 में 924 था जिसमें लगातार सुधार होता रहा लेकिन यह पिछले साल अचानक यह घटकर 893 हो गया।

हरियाणा के स्वास्थ्य मंत्री विज ने कहा हम पांच जिलों के जन्म के समय गिरते लिंगानुपात में आई गिरावट से चिंतित हैं। हमने उन लिंग जांच करने वाली रैकेट्स पर छापेमारी करने और अल्ट्रासाउंड मशीनों और अन्य उपकरणों की जांच के निर्देश दिए हैं। किसी तरह की ढिलाई को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

विज ने कहा कि उन्होंने जन्म के समय गिरने वाले लिंगानुपात से निपटने वाले फील्ड स्टाफ प्रभारी को सात दिन का समय देकर चेतावनी दी है कि किसी भी स्थिति में ढिलाई के लिए स्वास्थ्य विभाग के किसी भी अधिकारी को छोड़ा नहीं जाएगा। 2022 में हरियाणा में

लिंगानुपात प्रति 1000 पुरुषों पर 917 महिलाएं दर्ज किया गया है। जन्म के समय लिंगानुपात के आंकड़ों का ठीक होना सेक्स औसत के बेहतर होने का संकेत होता। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (2019-21) के पांचवें दौर के आंकड़ों के मुताबिक जन्म के समय का लिंगानुपात का राष्ट्रीय आंकड़ा प्रति 1000 पुरुषों पर 929 महिलाओं का है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भ्रष्टाचार प्रतियोगिता में

&

भ्रष्टाचार की जानकारी देने

National Rights Group
Youtube Channel

krantisamay@gmail.com

9879141480

fight against corruption india

भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई